हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 166, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 2 दिसम्बर, 2021 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

निलंबन के बाद पीएनपी सचिव संजय उपाध्याय गिरफ्तार

यूपी टीईटी पेपर लीक केस में योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) 2021 पेपर लीक केस में योगी सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) संजय उपाध्याय के निलंबन के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें अहम कार्य में गोपनीयता न बरतने और परीक्षा की शुचिता बरकरार न रख पाने में प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। संजय उपाध्याय को लखनऊ से गिरफ्तार कर नोएडा ले जाया गया है। इसके पहले यूपी एसटीएफ ने प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी के निदेशक राय अनूप प्रसाद को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इस एजेंसी को प्रश्न पत्र छापने का वर्क आर्डर संजय उपाध्याय ने जारी किया था। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा 28 नवंबर को आयोजित की गई थी। परीक्षा शुरू होने से पहले ही पेपर लीक हो गया था, जिसके कारण परीक्षा रद कर दी गई थी। इसमें 21.65 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होने वाले थे। इस पूरे प्रकरण को राज्य सरकार ने काफी गंभीरता से लिया है। सरकार ने इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इंटरनेट मीडिया पर पेपर लीक करने सहित साल्वर गिरोह के करीब तीन दर्जन आरोपितों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। पीएनपी सचिव संजय उपाध्याय के बाद अब जल्द ही इस मामले में कुछ और बड़ों की गिरफ्तारियां भी

हो सकती हैं।

यूपी के एडीजी ला एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि टीईटी पेपर लीक केस में शुरूआत में ही स्पष्ट कर दिया गया था कि सख्त एक्शन लिया जाएगा। कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में अब तक 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके अनुसार पूछताछ के बाद यूपी एसटीएफ की टीम ने पीएनपी सचिव संजय उपाध्याय गिरफ्तार किया है। कोर्ट में पेश किए जाने के बाद पुलिस उन्हें रिमांड पर लेकर और पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा कि पीएनपी सचिव संजय उपाध्याय के खिलाफ पुलिस के पास पर्याप्त साक्ष्य हैं। इसी आधार पर उनकी गिरफ्तारी की गई है। सरकार पहले ही उन्हें निलंबित कर चुकी है। इससे पहले प्रश्न पत्र छापने वाली कंपनी के निदेशक अनूप प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है। पेपर लीक के लिए दोनों जिम्मेदार पाए गए हैं। बता दें मंगलवार को यूपीटीईटी प्रश्नपत्र लीक मामले में एसटीएफ नोएडा यूनिट ने दिल्ली में जिस प्रिंटिंग प्रेस में प्रश्न पत्र छपे थे उसके मालिक राय अनूप प्रसाद को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड के डायरेक्टर राय अनूप प्रसाद व कई अन्य के खिलाफ ग्रेटर नोएडा की सूरजपुर कोतवाली में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार टीईटी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक करने के लिए कई अलग-अलग जिले के लोगों से आरोपित संपर्क में था। परीक्षा वाले दिन प्रश्न पत्र इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया था। फिनसर्व कंपनी को पेपर छापने का ठेका संजय उपाध्याय ने ही दिया था।

योगी सरकार में पीएनपी के दूसरे सचिव पर कार्रवाई : योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) के स्तर पर गड़बड़ी होने के मामले में दूसरी बार सचिव पर बड़ी कार्रवाई की है। इसके पहले वर्ष 2018 में 68500 शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप में इससे भी बड़ी कार्रवाई की थी, जिसमें तत्कालीन सचिव सुत्ता सिंह सहित कई अफसरों को निलंबित कर दिया गया था। अब यूपीटीईटी में गोपनीयता के उच्चस्तरीय मानदंडों का पालन नहीं करने के आरोप में परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव संजय कुमार उपाध्याय को निलंबित कर गिरफ्तार भी कर लिया गया है। यह इस पद पर छह महीने भी नहीं रह पाए।

शराबी बेटे ने अपनी मां को ही मार डाला, मारपीट से बहू को बचाने की कोशिश कर रही थी

बालाघाट। नशे की हालत में बेटा अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। मां ने बहू को बचाने की कोशिश की तो कलयुगी बेटे ने उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर बेटे को हिरासत में ले लिया है। वारदात बालाघाट के परसवाडा थानान्तर्गत ग्राम कटंगा की है। गांव में रहने वाले 25 वर्षीय सुखदेव आदिवासी को शराब पीने की लत है। अक्सर शराब पीने की बात पर उसका पत्नी से विवाद होता था। परसवाड़ा थाना प्रभारी राजीव उइके ने बताया कि मंगलवार रात युवक शराब पीकर घर आया था। शराब पीने की बात पर उसका पत्नी से फिर विवाद हो गया। युवक ने पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान युवक की मां धनवंती बाई अपनी बहू को बचाने आई तो बेटे से उसका भी विवाद हो गया। नशे में धुत बेटे ने गमछे से मां का गला घोंटा और हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण एकत्र हो गए और उन्होंने किसी तरह युवक को काबू में किया। इस दौरान युवक अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कह रहा था। ग्रामीणों ने युवक को पकडकर पुलिस के हवाले किया। युवक के दो बच्चे हैं, जिनकी उम्र 3 और 5 साल है। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

अयोध्या-काशी में भव्य मंदिर निर्माण जारी, अब मथुरा की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के एक ट्वीट ने राजनीतिक गलियारे में हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि अयोध्या और काशी में भव्य मंदिर निर्माण जारी है और अब मथुरा की तैयारी है। केशव मौर्य के इस बयान से संकेत साफ हैं कि भाजपा यूपी

यूपी चुनाव से पहले केशव मौर्य का ऐलान

चुनाव में विकास के साथ हिंदुत्व के मुद्दे को भी हवा देने का मन बना चुकी है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अपने ट्वीट में कहा कि 'अयोध्या और काशी में भव्य मंदिर निर्माण जारी है। मथुरा की तैयारी है।' मौर्य ने अपने ट्वीट के साथ ही #जयश्रीराम, #जयशिवशम्भू और #जयश्रीराधेकृष्ण का हैशटैग भी लगाया। अयोध्या, काशी और मथुरा शुरू से ही भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे में शामिल रहा है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि का विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसले के बाद राम मंदिर निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। अब मथुरा जन्मभूमि प्रकरण जोर पकड़ रहा है। पिछले दिनों मथुरा और वृंदावन को सीएम योगी आदित्यनाथ ने तीर्थस्थल घोषित किया था। प्रदेश सरकार ने मथुरा-वृंदावन नगर निगम के 22 वार्डों को पवित्र तीर्थ स्थल घोषित करते हुए वहां मांस-मदिरा की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया। वहीं मथुरा में हिंदू संगठनों द्वारा छह दिसंबर को शाही मस्जिद ईदगाह में लड्डू गोपाल का जलाभिषेक करने के एलान को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। पुलिस और प्रशासन ने हर स्थिति से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। दोनों धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर सुरक्षा की अभेद्य किलेबंदी का प्लान तैयार किया है। इधर, हिंदूवादी संगठनों की सक्रियता बनी हुई है। यमुना के विश्राम घाट से श्रीकृष्ण जन्मस्थान तक संकल्प यात्रा निकालने का एलान करने वाली नारायणी सेना के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ऋषि उपाध्याय को भी पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। नारायणी सेना के तीन लोगों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। अखिल भारत हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष छाया गौतम ने एक वीडियो जारी कर कहा है कि महासभा ने छह दिसंबर को कार्यक्रम करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन प्रशासन ने नहीं दी है। ऐसे में लोग अपने-अपने घरों में छह दिसंबर की दोपहर 12 बजे जलाभिषेक करें, भीड़ एकत्र न करें। इधर, अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यश्री चौधरी ने कहा कि छाया गौतम को पुलिस ने उठा लिया था और उनसे जबरन वीडियो बनवाया गया है। हमारी प्रशासन से बात चल रही है। पांच दिसंबर तक हम सारी रणनीति के बारे में बता देंगे।

कृषि कानून के खिलाफ हुए आंदोलन में हुई किसानों की मौत का नहीं कोई रिकार्ड, कांग्रेस ने कहा- सरकार ने किया अपमान

नई दिल्ली। सरकार का कहना है कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान हुई किसानों की मौत का कोई रिकार्ड मौजूद नहीं है। ये जवाब

कृषि मंत्रालय की तरफ से संसद में दिया गया है। ये बयान उस सवाल के जवाब में दिया गया है जिसमें पूछा गया था कि क्या सरकार इस आंदोलन में मारे किए किसानों के परिजनों को किसी तरह वित्तीय मदद उपलब्ध कराने के बारे में विचार कर रही है या नहीं। इसके जवाब में साफ कर दिया गया है आंदोलन में किसानों के मारे जाने का कोई रिकार्ड सरकार के पास नहीं है। सरकार के इस जवाब पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि सरकार ने ये बयान देकर किसानों का अपमान किया है। खड़गे ने कहा है कि कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन में 700 से अधिक किसान मारे गए हैं। सरकार ऐसा कैसे कह सकती है कि उनके पास इसका कोई रिकार्ड नहीं है। शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सरकार से ये सवाल लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पूछा था। इस बीच किसानों ने एक बार फिर से अपनी मांगें दोहराते हुए कहा है कि इस आंदोलन में मारे गए किसानों को सरकार की तरफ से मुआवजा राशि दी जानी चाहिए।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने साफ कर दिया है कि जब तक सरकार उनकी मांगों को मान नहीं लेती है तब तक उनका आंदोलन बदस्तूर जारी रहेगा। उनकी ये भी मांग है कि सरकार को आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज करीब 50 हजार केस भी वापस लेने होंगे। इसके अलावा एमएसपी पर गारंटी कानून को भी बनाना होगा। जिन किसानों की इस दौरान मौत हुई है उनको मुआवजा मिलना चाहिए।

आने वाला है चक्रवाती तूफान, देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर आंध्र प्रदेश और ओडिशा तट के आस पास के इलाकों में डीप डिप्रेशन के चलते एक चक्रवाती तूफान बन रहा है जो तीन दिसंबर को मजबूत होकर उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और चार दिसंबर की सुबह उत्तरी आंध्र प्रदेश-ओडिशा के तटवर्ती क्षेत्रों से टकराएगा। वहीं पश्चिमोत्तर और मध्य भारत के आस पास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ ने दस्तक दी है। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक इसकी वजह से मौसम का मिजाज बदलेगा जिसकी वजह से देश के कई इलाकों में दो दिसंबर तक तेज बारिश होगी।

मौसम विभाग की मानें अंडमान सागर के मध्य भाग पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र बुधवार तक पश्चिम उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए मंगलवार तक बंगाल की मध्य खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान के रूप में तब्दील होकर चार दिसंबर को उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तट से टकराएगा। इसकी वजह से ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटवर्ती जिलों के साथ साथ आंध्र प्रदेश के उत्तरी तटवर्ती क्षेत्रों में भारी से बहुत ज्यादा भारी बारिश होने का अनुमान है। यही नहीं उत्तरी-पूर्वी राज्यों में भी पांच से छह दिसंबर को भारी बारिश होगी।

यही नहीं दक्षिण पूर्वी अरब सागर पर भी एक चक्रवाती क्षेत्र बना हुआ है जिसकी वजह से अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। पश्चिमोत्तर और मध्य भारत के आस पास बने पश्चिमी विक्षोभ की वजह से गुजरात के कुछ हिस्सों में दो दिसंबर तक भारी बारिश का अनुमान है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने मछुआरों को अरब सागर में नहीं जाने की सलाह दी है। साथ ही किसानों को कटी फसलें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की सलाह दी गई है।

सनबीम रेप केस मामला प्रबंधक गिरफ्तार चेयरमैन सहित 10 से एसआईटी कर रही पूछताछ

प्रखर वाराणसी। बनारस के चर्चित सनबीम लहरतारा स्कूल में मासूम के साथ रेप मामले में आखिरकार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रबंधक दिलीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है और चेयरमैन दीपक मधोक समेत 10 लोगों से एसआईटी की पूछताछ भी शुरू हो गई है।

गौरतलब है कि सनबीम लहरतारा में 26 नवंबर को कक्षा 3 की छात्रा से हुए दुराचार के बाद से वाराणसी में कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ तमाम सामाजिक संस्थाएं लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही थी। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश द्वारा गठित की गयी एसआईटी टीम का डीसीपी वरुणा विक्रांत वीर नेतृत्व कर रहे हैं। खबर है कि चेयरमैन दीपक मधोक सहित 10 अन्य लोगों से भी पूछताछ कर हो रही है। खबर है कि इस मामले में चेयरमैन दीपक मधोक सहित प्रबन्धन से जुड़े कई लोगों पर कार्यवाही हो सकती है। गौरतलब है कि 26 नवंबर को सनबीम स्कूल के टॉयलेट में स्वीपर अजय कुमार उर्फ सिंकू ने छात्रा के साथ दुराचार किया था। बच्ची को धमकी देते हुए उसे यह बात किसी से नहीं बताने के लिए कहा था। लेकिन बच्ची की हालत देखते हुए उसकी मां ने जब पूछा तो उसने सब कुछ अपनी मां को बताया। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। मामला मीडिया में आने के बाद लगातार तूल पकड़ता गया। बनारस की तमाम सामाजिक संस्थाओं, वकीलों के अलावा सामाजिक स्तर पर इस मामले में पुलिस की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठाए जाने लगे थे।

आखिरकार पुलिस ने बड़ा कदम उठाते हुए प्रबंधक को गिरफ्तार करने के साथ-साथ चेयरमैन और अन्य 10 लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

पवार से मुलाकात के बाद ममता ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले- अब यूपीए जैसा कुछ नहीं रहा

मुंबई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने पावर से मिलने के बाद कहा कि अब यूपीए जैसा कुछ नहीं रहा। पवार और ममता की मुलाकात के राजनीतिक हलकों में कई मायने हैं। कांग्रेस से बढ़ती दूरी और एनसीपी प्रमुख से मुलाकात ने राजनीतिक पारा भी चढ़ा दिया है। ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब अगले वर्ष पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ममता ने यह भी कहा कि मैं महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार से मुलाकात करने के लिए आईं थीं। आज देश में जैसा फासीवाद चल रहा है, इसके खिलाफ देश में एक मजबूत वैकल्पिक फोर्स बनाना चाहिए। इसलिए मैं शरद पवार के पास राजनीतिक चर्चा करने के लिए आईं हुईं हूं। वहीं पवार ने कहा कि हमारी ममता बनर्जी के साथ बातचीत हुई। आज की स्थिति में राष्ट्रीय स्तर पर समान विचारधारा वाले दलों को एक साथ आना चाहिए और सामूहिक नेतृत्व के लिए एक मजबूत विकल्प तैयार करना चाहिए। हम 2024 के आम चुनाव के बारे में भी सोच रहे हैं। बता दें कि ममता बनर्जी तीन दिवसीय महाराष्ट्र के दौरे पर गई हुई हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को महाराष्ट्र के सीएम और शिव सेना के नेता आदित्य ठाकरे और संजय राऊत से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद आदित्य ठाकरे ने पत्रकारों से कहा कि हम उनका मुंबई में स्वागत करते हैं। हमारी इससे पहले मुलाकात करीब 2-3 वर्ष पहले हुई थी जब वो महाराष्ट्र आई थीं। हम इस दोस्ती को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि इस मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर बातचीत हुई। शिव सेना ने एक बयान जारी कर कहा है कि तबियत खराब होने की वजह से ममता की मुलाकात राज्य के सीएम और शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से नहीं कर सकेंगे।

नवंबर के जीएसटी संग्रह ने अक्तूबर का रिकॉर्ड तोड़ा, 1.31 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा

नई दिल्ली। नवंबर महीने में कुल जीएसटी संग्रह 1,31,526 करोड़ रुपये का हुआ। इस महीने हुआ यह जीएसटी संग्रह पिछले महीने के संग्रह को पार कर गया है, जो जीएसटी लागू होने के बाद से दूसरा सबसे अधिक है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। यह आंकड़ा जीएसटी के लागू होने के बाद से दूसरा सबसे अधिक है। नवंबर के जीएसटी संग्रह ने अक्तूबर में बने रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। गौरतलब है कि अक्तूबर महीने में कुल जीएसटी संग्रह 1,30,127 करोड़ रुपये रहा था। बीते महीने त्योहारी सीजन के चलते मांग में आई तेजी का असर जीएसटी संग्रह पर साफतौर पर देखने को मिला था, जो अब तक जारी है। नवंबर 2021 में एकत्रित सकल जीएसटी राजस्व 1,31,526 करोड़ रुपये है, जिसमें

सीजीएसटी 23,978 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 31,127 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 66,815 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 32,165 करोड़ रुपये सहित) और उपकर शामिल है। बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों को देखें तो नवंबर के महीने के लिए जीएसटी राजस्व नवंबर 2020 की तुलना में 25 फीसदी अधिक है और नवंबर 2019 की तुलना में 27 फीसदी ज्यादा है। बता दें कि सीजीएसटी का अर्थ केंद्रीय माल और सेवा कर, एसजीएसटी का मतलब राज्य माल और सेवा कर और आईजीएसटी का अर्थ एकीकृत माल और सेवा कर होता है।

2017 में लागू किया गया था जीएसटी- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जुलाई 2017 में लागू किया गया था। तब से लेकर अब तक सबसे ज्यादा कलेक्शन 1.41 लाख करोड़ रुपए का रहा है। यह रिकॉर्ड इसी साल अप्रैल में था। अक्तूबर में कुल 7.35 करोड़ ई-बिल जनरेट किए गए। इसका मतलब यह हुआ कि उसकी रकम नवंबर में सरकार के पास आई है।

15 दिसंबर से शुरू नहीं होंगी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें ओमिक्रॉन के खतरे के चलते लिया गया फैसला

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 दिसंबर से शुरू करने के फैसले को टाल दिया गया है। दरअसल, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि वह इस बारे में अभी मंथन कर रहा है और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान सेवाओं को वापस शुरू करने पर फैसला लेगा। डीजीसीए ने कहा कि वह कोरोनावायरस के नए वैरिएंट के उभार को देखते हुए स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। फिलहाल 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं होंगी। आगे की तारीख पर हालात के मुताबिक फैसला लिया जाएगा। इससे पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा था कि कर्मिशियल अंतरराष्ट्रीय यात्री सेवाओं को 15 दिसंबर से फिर से शुरू करने के मामले में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य-परिवार कल्याण मंत्रालय के परामर्श किया गया था। इसके बाद यह निर्णय लिया गया था कि भारत से आने-जाने वाली वाणिज्यिक अंतरराष्ट्रीय यात्री सेवाएं 15 दिसंबर 2021 से फिर से शुरू की जा सकती हैं। गृह मंत्रालय देशों को तीन सूची तैयार करेगा। इसी आधार पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन किया जाएगा। हालांकि, इसके बाद ओमिक्रॉन ने हालात ही बदल दिए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय उन

देशों की सूची में हांगकांग और इजराइल को भी जोड़ दिया है, जहां से यात्रियों को आगमन के बाद परीक्षण सहित अतिरिक्त मापदंडों का पालन करना होगा। इनमें ब्रिटेन समेत यूरोपिय देश, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरिशस, न्यूजीलैंड, जिम्बॉम्ब्वे, सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग और इजराइल जैसे देश शामिल हैं।

चिंतन मनन

गतिरोध होगा खत्म

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही कृषि कानून वापसी बिल दोनों सदनों में पास हो गया है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कानून वापसी का बिल पेश किया। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत ने कहा, कृषि कानून वापस हो चुके हैं, लेकिन अब एमएसपी और किसानों की समस्याओं पर चर्चा होनी चाहिए। हम 4 दिसंबर को एक बैठक करेंगे और उस पर आंदोलन की दिशा तय की जाएगी। तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। कृषि कानूनों के मुद्दे पर पिछले एक साल से चला आ रहा गतिरोध अब खत्म होने की ओर है। कानून पर सरकार की पहल के बाद अब किसानों ने भी कुछ लचीला रुख दिखाना शुरू कर दिया है। पहले उन्होंने आंदोलन के एक साल पूरा होने के बाद संसद तक ट्रैक्टर रैली निकालने की घोषणा कर रखी थी। मगर अब उन्होंने उस रैली को रद्द कर दिया। यह अच्छी बात है कि उन्होंने अडियल रुख न दिखा कर बातचीत के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग दिया। उधर कृषि मंत्री ने भी कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने को लेकर प्रधानमंत्री एक समिति गठित करेंगे, जिसमें किसानों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। अभी तक यही कयास लगाए जा रहे थे कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने के मामले में टालमटोल करेगी, मगर वह इस पर भी लचीला रुख अपना रही है, तो इससे दूसरी मांगों पर भी सहमति बनने के संकेत मिल रहे हैं। दरअसल, न्यूनतम समर्थन मूल्य को व्यावहारिक बनाने की मांग लंबी है। इस पर स्वामीनाथन समिति ने अपनी सिफारिशें भी पेश कर दी थी, मगर सरकार उन्हें लागू नहीं कर पाई थी। इसका नतीजा यह है कि सरकार समर्थन मूल्य की घोषणा तो करती है, पर व्यापारी उस मूल्य पर अनाज नहीं खरीदते। किसानों को मजबूरी में काफी कम कीमत पर अपने अनाज बेचने पड़ते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनने से किसानों को अपनी लागत के अनुरूप राहत देने वाली कीमत मिल सकेगी। हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने को लेकर भी हर बार कुछ न कुछ असंतोष जरूर देखा जाता है, क्योंकि खेती में लागत काफी बढ़ती गई है। पिछले कुछ सालों में रासायनिक उर्वरक, बीज, बिजली और डीजल आदि की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है, उसके अनुसार समर्थन मूल्य घोषित नहीं होते। फिर मजदूरी का मानक भी स्पष्ट नहीं है। जो किसान खुद और परिवार के साथ खेतों में काम करते हैं, उसकी कोई कीमत नहीं आंकी जाती। इसलिए जब न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कानून बनेगा, तो इन तमाम बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श की गुंजाइश बनेगी। अगर सरकार इस पर पारदर्शी और व्यावहारिक तरीके से आगे बढ़ती है, तो किसानों की नाराजगी दूर करने में उसे काफी कामयाबी मिल सकती है। रही बात किसान आंदोलनकारियों पर से मुकदमे वापस लेने की, तो वह सरकार के लिए कोई मुश्किल बात नहीं है, क्योंकि वह कुछ जिद में और राजनीतिक नजरिए से उठाया गया कदम था। अब अगर सरकार ने सदाशयता दिखानी शुरू की है, तो उसे अपने इस रुख पर कायम रहना चाहिए। कृषि कानूनों पर सरकार और किसानों के बीच तनातनी काफी लंबी खिंच गई है। पर अब सरकार ने उनकी मांगों को मानना शुरू कर दिया है और आगे के मसले वह बातचीत के जरिए सुलझा लेना चाहती है, तो किसानों से भी अपेक्षा की जाती है कि पुरानी बातें भुला कर खुले मन से बातचीत की मेज पर पहुंचें और समस्याओं के समाधान तलाशने में सहयोग करें।

होगा आगे आना!

रहेंगे विदेश में तो ।
होगा कैसे काम ?
अड़चनें और मुश्किलें ।
आ रहीं तमाम ।।
ना चलेगा ऐसे ।
होगा आगे आना ।।
जो कुछ भी चल रहा ।
भांप रहा जमाना ।।
दौर है ये मंथन का ।
व्याकुलता भी छाई ।।
आने को सरकार में ।
बढ़ रही अंगड़ाई ।।
रुक-रूक कर अक्सर ।
आते हैं बयान ।।
शब्दों के माध्यम से ।
जाहिर हैं अरमान ।।

-कृष्णेन्द्र राय

क्या केवल नेहरू-गाँधी का 'परिवारवाद' ही लोकतंत्र के लिये खतरा ?

अथवा संरक्षण देने की बात होती है तो कांग्रेस विरोधी केवल नेहरू-गाँधी परिवार पर ही सीधा निशाना साधते हैं। कभी कभी तो यह आरोप उस समय और भी हास्यास्पद प्रतीत होने लगते हैं जबकि स्वयं परिवारवादी राजनीति को प्रश्रय देने या परिवारवाद की राजनीति का शिकार लोग ही नेहरू-गाँधी परिवार पर परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हैं। अभी विगत 26 नवंबर 2021 को भारत को अपना संविधान अपनाए हुए 72 वर्ष पूरे हुए। इसी दिन वर्ष 1949 में बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर ने देश को नया संविधान सौंपा था, जिसे 26 जनवरी 1950 को पूरे देश में लागू कर दिया गया था। इस अवसर पर गत 26 नवंबर 2021 संसद भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम विशिष्ट लोग मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्यों की पिछली सरकारों पर निशाना साधा। परिवारवाद की राजनीति पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि- भारत एक ऐसे संकट के तरफ बढ़ रहा है, जो संविधान के प्रति समर्पित लोगों के लिए चिंता का विषय है। लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वालों के लिए चिंता का विषय है और वो हैं पारिवारिक पार्टियां। प्रधानमंत्री ने योग्यता के आधार पर परिवार के एक से अधिक लोगों के पार्टी में शामिल होने पर सहमति जताई। लेकिन एक ही पार्टी में पीढ़ी दर पीढ़ी राजनीति में शामिल हो रहे लोगों को परिवारवाद की राजनीति से प्रेरित कहा। ह्ललोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वाले लोगों के लिए चिंता का एक विषय है और वो हैं पारिवारिक पार्टियाँ। राजनीतिक दल ह्यपार्टी फॉर द फैमिली , ह्यपार्टी बाय द फैमिली ह्लह्व अब आगे कहने की मुझे जरूरत नहीं लगती है। ये संवैधानिक भावना के खिलाफ है, संविधान के विपरीत है। एक पार्टी जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार चलाता रहे, पार्टी की सारी व्यवस्था परिवारों के पास रहे, वो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा संकट होता है। प्रधानमंत्री की उपरोक्त चिंता क्या वास्तव में इसीलिए है कि राजनीति में

परिवारवाद की व्यवस्था स्वस्थ लोकतंत्र के लिये बड़ा संकट और संविधान के लिये खतरा है ?क्या यह 'समस्या ' केवल भारतीय राजनीति की ही समस्या है ? और क्या भारतीय जनता पार्टी व उसके अनेक सहयोगी दल परिवारवाद की राजनीति का शिकार नहीं ? आखिर क्यों केवल नेहरू-गाँधी परिवार को ही परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा अथवा संरक्षण देने का जिम्मेदार ठहराया जाता है ? सर्वप्रथम तो यदि हम अपने पड़ोसी लोकतान्त्रिक देशों पर ही नजर डालें तो पाकिस्तान में भुट्टो व शरीफ परिवार ,बांग्लादेश में शेख व जिया परिवार तथा श्रीलंका में राजपक्षे व भंडारनायके परिवार के अतिरिक्त भी ऐसे कई राजनैतिक घराने मिलेंगे जिनकी पीढ़ियां दर पीढ़ियां अपनी पुश्तैनी राजनैतिक विरासत को बखूबी संचालित कर रही हैं। यह घराने चुनाव जीतते भी हैं और हारते भी। सत्ता में भी रहते हैं और विपक्ष में भी। जाहिर है ऐसा तभी संभव होता है जबकि जनसमर्थन भी इनके साथ हो। परिवार की ओर से थोपे जाने मात्र से कोई भी नेता जनस्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपनी भारतीय जनता पार्टी में दर्जनों शीर्ष नेता ऐसे हैं जो अपनी संतानों या परिवार के निकट रिश्तेदारों को अपनी राजनैतिक विरासत हस्तांतरित कर चुके हैं या कर रहे हैं। हाँ स्वयं नरेंद्र मोदी,मनोहर लाल खट्टर व योगी आदित्य नाथ जैसे नेताओं को इस तरह का 'उपदेश ' देने में आसानी जरूर होती है क्योंकि इन लोगों को पारिवारिक चिंताओं व जिम्मेदारियों का न तो अंदाजा है न ही एहसास। नेहरू गाँधी परिवार की आलोचना का कोई अवसर न गंवाने वालों के साथ एक समस्या यह भी है कि कांग्रेस जनों को या शीर्ष कांग्रेस नेताओं को भले ही नेहरू-गाँधी परिवार द्वारा पार्टी का नेतृत्व किया जाना उनके लिये गौरव की बात क्यों न हो परन्तु भाजपाइयों के पेट में 'नेहरू गाँधी परिवार' द्वारा कांग्रेस नेतृत्व किये जाने को लेकर मरोड़ जरूर उठता रहता है। राजनाथ सिंह, पियूष गोयल, स्व. कल्याण सिंह, वसुंधरा व ज्योतितादित्यसिंधिया,जतिन प्रसाद सहित अनेक भाजपाई परिवारवादी राजनीतिज्ञों के अतिरिक्त कश्मीर, पंजाब व हरियाणा सहित अनेक राज्यों के परिवारवादी राजनीति का पोषण करने वाले दलों से समय समय पर समझौता करने वाली भाजपा को सिर्फ और सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार के नेतृत्व से ही लोकतंत्र व संवैधानिक मयार्दा खतरे में दिखाई देती है। हाँ यदि इसी परिवार की मेनका गाँधी व वरुण गांधी भाजपा के साथ खड़े हों तो वह लोकतंत्र के लिये खतरा नहीं है।

दरअसल नेहरू गाँधी परिवार पर हर समय किसी न किसी बहाने निशाना साधते रहने के पीछे मुख्य कारण यह है कि कांग्रेस के लाख कमजोर होने के बावजूद इस परिवार के सदस्यों की लोकप्रियता व स्वीकार्यता अभी भी बरकरार है। दूसरा कारण यह कि आज के समय के बिखरे विपक्ष के दौर में केवल इसी परिवार के लोग हैं जो अहंकारपूर्ण व बेलगाम होती जा रही सत्ता की आँखों में आँखें डाल कर सवाल पूछ रहे हैं। और तीसरी और सबसे प्रमुख बात यह कि नेहरू गाँधी परिवार पर निशाना साध कर यह उन वास्तविक मुद्दों की तरफ से ध्यान भटकाना चाहते हैं जो वास्तव में न केवल लोकतंत्र बल्कि संविधान के लिये भी खतरा हैं। जो देश की एकता और अखंडता के लिये खतरा है। परिवारवाद से बड़ा खतरा तानाशाही है। विपक्ष हीन लोकतंत्र बनाने की कामना से लोकतंत्र को खतरा है। दल बदल को प्रोत्साहन, भय और आतंक की राजनीति, पूंजीपतियों के हाथों का खिलौना बनना, अन्नदाताओं का तिरस्कार करना, देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांटना आदि देश के लोकतंत्र के लिये खतरा है न कि नेहरू गाँधी परिवार की राजनीति में सक्रियता।

आज किसान-मंथन ज्यादा जरुरी

संसद के दोनों सदनों में कृषि-कानून उतनी ही जल्दी वापिस ले लिये गए, जितनी जल्दी वे लाये गए थे। लाते वक्त भी उन पर आवश्यक विचार-विमर्श नहीं हुआ और जाते वक्त भी नहीं। ऐसा क्यों ? ऐसा होना अपने आप में

शक पैदा करता है। यह शक पैदा होता है कि इस कानून में कुछ न कुछ उस्तादी है, जिसे सरकार छिपाना चाहती है जबकि सरकार का दावा है कि ये कानून लाए ही इसलिए गए थे कि किसानों को संपन्न और सुखी बनाया जाए। यदि इन कानूनों के जाते और आते वक्त जमकर बहस होती तो किसानों को ही नहीं, देश के आम लोगों को भी पता चलता कि भाजपा सरकार खेती के क्षेत्र में अपूर्व क्रांति लाना चाहती है। मान लिया कि अपने कानूनों से सरकार इतनी ज्यादा खुश थी कि उसने सोचा कि उन्हें तत्काल लागू किया जाए लेकिन अब यदि संसद में इसकी वापसी के वक्त लंबी बहस होती तो सरकार इसके फायदे विस्तार से गिना सकती थी और देश की जनता को वह यह संदेश भी देती कि वह अहंकारी बिल्कुल नहीं है। वह अपने अन्नदाताओं का तहे-दिल से सम्मान करती है। इसीलिए उसने इन्हें वापस कर लिया है। इस संसदीय बहस में उसे कई नए सुझाव भी मिलते लेकिन लगता है कि इन कानूनों की वापसी ने सरकार को बहुत डरा दिया है। उसका नैतिक बल पैंदे में बैठ गया है। उसे लगा कि यदि बहस हुई तो उसके विरोधी दल उसकी चमड़ी उधेड़ डालेंगे। उसका यह डर सही निकला। विरोधियों ने बहस की मांग के लिए जैसा नाटकीय हंगामा किया, उससे क्या प्रकट होता है? क्या यह नहीं कि विरोधी दल किसानों को फायदा पहुंचाने की बजाय खुद को किसानों का ज्यादा बड़ा हितैषी सिद्ध करना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में हमारे पक्षियों और विपक्षियों, दोनों की भूमिका लोकतंत्र की दृष्टि से संतोषजनक नहीं रही। ये तो हुई राजनीतिक दलों की बात लेकिन हमारे किसान आंदोलन का क्या हाल है? वह अपूर्व और एतिहासिक रहा, इसमें जरा भी शक नहीं है लेकिन यह ध्यान रहे कि यह आंदोलन पंजाब, हरयाणा और पश्चिमी उत्तरप्रदेश के मालदार किसानों का आंदोलन था। सरकार को उन्हें तो संतुष्ट करना ही चाहिए लेकिन उनसे भी ज्यादा उसकी जिम्मेदारी उन 86 प्रतिशत किसानों के प्रति है, जो देश के 700 जिलों में अपनी रोजी-रोटी भी ठीक से नहीं प्राप्त कर पाते हैं। उपज के न्यूनतम सरकारी मूल्य के सवाल पर खुलकर विचार होना चाहिए। वह मट्ठीभर मालदार किसानों की बपौती न बने और वह सभी किसानों के लिए लाभप्रद रहे, यह जरुरी है। आज की स्थिति में किसान आंदोलन की बजाय किसान मंथन की ज्यादा जरुरत है।

एकादशी व्रत से ठीक होते हैं ग्रहों के विपरीत प्रभाव

सनातन धर्म में सबसे बड़ा व्रत एकादशी का माना जाता है। चन्द्रमा की स्थिति के कारण व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति खराब और अच्छी होती है। ऐसी दशा में एकादशी व्रत से चन्द्रमा के हर खराब प्रभाव को रोका जा सकता है। यहाँ तक कि ग्रहों के असर को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है क्योंकि एकादशी व्रत का सीधा प्रभाव मन और शरीर, दोनों पर पड़ता है परन्तु एकादशी का लाभ तभी हो सकता है जब इसके नियमों का पालन किया जाय। वैसे तो एकादशी मन और शरीर को एकाग्र कर देती है परन्तु अलग अलग एकादशियाँ विशेष प्रभाव भी उत्पन्न करती हैं। माघ शुक्ल एकादशी को जया एकादशी कहा जाता है। इसका पालन करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है, मुक्ति मिलती है। इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति भूत, पिशाच आदि योनियों से मुक्त हो जाता है। यह व्रत व्यक्ति के संस्कारों को शुद्ध कर देता है। एकादशी के व्रत को रखने के नियम? यह व्रत दो प्रकार से

रखा जाता है। निर्जल व्रत और फलाहारी या जलीय व्रत। सामान्यतः निर्जल व्रत पूर्ण रूप से स्वस्थ्य व्यक्ति को ही रखना चाहिए। अन्य या सामान्य लोगों को फलाहारी या जलीय उपवास रखना चाहिए। इस व्रत में प्रातः काल श्री कृष्ण की पूजा की जाती है। इस व्रत में फलों और पंचामृत का भोग लगाया जाता है। बेहतर होगा कि इस दिन केवल जल और फल का ही सेवन किया जाय। तामसिक आहार व्यहार तथा विचार से दूर रहें।बिना भगवान कृष्ण की उपासना के दिन की शुरूआत न करें। मन को ज्यादा से ज्यादा भगवान कृष्ण में लगाये रखें।अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उपवास न रखें ,केवल प्रक्रियाओं का पालन करें।

कोरोना : सावधानी ही बचाव

वर्तमान में यह स्पष्ट तौर पर परिलक्षित हो रहा है कि विश्व में मानवीय विकास के नाम पर जो कुछ भी हो रहा है, वह मानव जीवन के लिए खतरे की घंटी है। आज कहने मात्र के लिए विश्व ने विकास तो किया है, लेकिन अपने लिए कई प्रकार की समस्याएं भी निर्मित की हैं। जीवन की भागदौड़ के चलते हमारा ध्यान स्वयं के प्रति केंद्रित होता जा रहा है। मात्र आर्थिक समृद्धि के लिए व्यक्ति बेईमानी तक करने पर उतारू हो गया है। और समाज भी जल्दी प्राप्त करने की मानसिकता के चलते इन वस्तुओं को स्वीकार करने लगा है। वास्तव में सारी समस्याओं का मूल यही है कि हम जाने अनजाने में जिस प्रकार की गलतियां कर रहे है, उससे समाज जीवन पर विनाशकारी प्रभाव हो रहा है। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर भी इसी प्रकार की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

पिछले दो वर्ष से कोरोना का दंश विश्व के सभी देशों ने झेला है। इसको रोकने को लेकर कई प्रकार के दिशानिर्देश भी दिए गए, लेकिन इसके बाद भी कोरोना वायरस ने अपना दुष्प्रभाव छोड़ा। कोरोना वायरस की प्रथम और दूसरी लहर के चलते जिस प्रकार की स्थिति निर्मित हुई, उसके कारण आज भी भय का वातावरण बना हुआ है। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान जिस प्रकार के भय का वातावरण निर्मित किया गया, उसके कारण कई लोग अपनों से इतने दूर हो गए कि उनके अपने ही उनके पास तक नहीं जा रहे थे। इस प्रकार के भ्रम के वातावरण बनाने में हमारा समाज ही जिम्मेदार है। अब कोरोना वायरस के नए प्रकार की चर्चा होने लगी है। विश्व के कुछ देशों में इसे लेकर गंभीर चिंता भी होने लगी है। यह चिंता जायज भी है, क्योंकि जब मानव जीवन प्रभावित होता है तो उस देश की गतिविधियों पर

भी व्यापक असर होता है। व्यापारिक संस्थानों में कार्य करने के लिए जिस मानवीय शक्ति की आवश्यकता होती है, उसका अभाव होने लगता है। इस कारण पर्याप्त उत्पादन भी नहीं होता और देश की आर्थिक स्थिति पर भी प्रभाव होता है। इसलिए कोरोना वायरस के प्रति केवल एक देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को गहनता से मंथन करने की आवश्यकता है।

यह बात सही है कि किसी भी कार्य में लापरवाही का परिणाम सदैव घातक होता है। कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान की गई लापरवाही जहां व्यक्तिगत जीवन के लिए हानिकारक होती है, वहीं सामूहिक जीवन के लिए भी विनाशकारी हो सकती है, इसलिए हमें व्यक्तिगत चिंता के साथ सामाजिक रक्षा की दिशा में भी सक्रिय होकर चिंता करने की आवश्यकता है। हालांकि इस दिशा में भारत सरकार ने प्रभावी नियंत्रण की नीति अपनाते हुए कठोर कदम उठाने प्रारंभ कर दिए हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम जनता को भी सोचने और विचार करने की पहल करनी होगी। तीसरी लहर के आने से पहले ही सचेत होने और समाज को सचेत करने की बहुत आवश्यकता है।

कोरोना का नया वायरस कितना प्रभाव छोड़ेगा, इसका आकलन करना अभी संभव नहीं है, लेकिन पिछले दो बार के अनुभव इसका आभास कराने के लिए काफी हैं। ये दोनों समय के अनुभव किसी भी प्रकार से ठीक नहीं माने जा सकते। अच्छी बात यह है कि नए वायरस ओमीक्रोन के मामले भारत में नहीं हैं, इस बात की पुष्टि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है, लेकिन यह वायरस दक्षिण अफ्रीका से अब तक लगभग 16 देशों में प्रसारित हो चुका है। जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देश इसकी चपेट में आ चुके हैं। अमेरिका जैसे समृद्ध देश तीसरी लहर की चपेट में आ चुके हैं। इसको देखते हुए महाराष्ट्र के मुंबई में जो विद्यालय खुलने वाले थे, उनका प्रतिबंध 15 दिन के लिए और बढ़ा दिया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका से आने वाले व्यक्तियों पर विशेष दृष्टि रखी जा रही है। इसको लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी जारी करते हुए इस वायरस को विश्व के लिए सर्वाधिक खतरनाक बताया है। इसलिए इसको लेकर अभी से सावधान होने की आवश्यकता है।

पश्चिम बंगाल में हैं तो एक बार इन जगहों पर जरूर घूमें

सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान भारत के पश्चिम बंगाल राज्य के दक्षिणी भाग में गंगा नदी के सुंदरवन डेल्टा क्षेत्र में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है। यह एक बाघ संरक्षित क्षेत्र है। यह क्षेत्र मैन्ग्रोव के घने जंगलों से घिरा हुआ है और रॉयल बंगाल टाइगर का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है। इस नेशनल पार्क में आपको बाघों के अलावा पक्षियों व सरीसृपों की कुछ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी।

बीरभूम जिले के बोलपुर के पास एक छोटा सा शहर, शांतिनिकेतन नोबेल विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के ट्रेजर ट्रोव के रूप में बेहतर जाना जाता है। यह छोटा शहर लगभग 212 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। टैगोर ने 1863 में यहां एक आश्रम की स्थापना की और ब्रह्म समाज के सर्जक बने।

भारत का पश्चिम बंगाल राज्य संस्कृति कला से लेकर प्राकृतिक सौंदर्य का धनी है। यह एक ऐसा राज्य है जहां पर हर पर्यटक के लिए कुछ ना कुछ अवश्य है। भले ही आप धार्मिक प्रवृत्ति के हों या फिर साहसिक प्रवृत्ति के इंसान, पश्चिम बंगदाल आपको कभी भी निराश नहीं करेगा। तो चलिए आज हम आपको पश्चिम बंगाल की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी ट्रेवलिंग के दौरान अवश्य देखना चाहिए-

कोलकाता में घूमें

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता, जिसे आधिकारिक तौर पर 2001 तक कलकत्ता के ब्रिटिश नाम से जाना जाता है, पिछले एक दशक में नाटकीय रूप से बदल गई है। यहां पर हावड़ा ब्रिज से लेकर बिरला मंदिर, ईडन गार्डन, विक्टोरिया मेमोरियल कई शानदार जगहें आपको देखने को मिलेंगी। यह देश के कई कवियों, लेखकों और नोबल पुरस्कार विजेताओं का घर है।

इसलिए इस शहर को आज ₹भारत की सांस्कृतिक राजधानी₹ भी कहा जाता है। कोलकाता भारत का एकमात्र शहर है, जहां पर आज भी आपको ट्राम में घूमने को मिलेगा। यह आपको पुराने खूबसूरत दौर की याद दिलाएगा।

शांति निकेतन में खोजें शांति

बीरभूम जिले के बोलपुर के पास एक छोटा सा शहर, शांतिनिकेतन नोबेल विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के ट्रेजर ट्रोव के रूप में बेहतर जाना जाता है। यह छोटा शहर लगभग 212 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। टैगोर ने 1863 में यहां एक आश्रम की स्थापना की और ब्रह्म समाज के सर्जक बने। शान्तिनकितन परिसर शानदार मूर्तियों, भित्तिचित्रों, भित्ति चित्रों और रवींद्रनाथ, नंदलाल बोस, रामकिंकर, बिनोदबिहारी मुखोपाध्याय के चित्रों से सुसज्जित है।

देखें सुंदरबन नेशनल पार्क

सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान भारत के पश्चिम बंगाल राज्य के दक्षिणी भाग में गंगा नदी के सुंदरवन डेल्टा क्षेत्र में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है। यह एक बाघ संरक्षित क्षेत्र है। यह क्षेत्र मैन्ग्रोव के घने जंगलों से घिरा हुआ है और रॉयल बंगाल टाइगर का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है। इस नेशनल पार्क में आपको बाघों के अलावा पक्षियों व सरीसृपों की कुछ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी।

घूमें दार्जिलिंग

अपने रसीले चाय के बागानों के लिए सबसे प्रसिद्ध, दार्जिलिंग भारत के शीर्ष 10 हिल स्टेशनों में से एक है। इस शहर में दुनिया की तीसरी सबसे उंची चोटी कंचनजंगा भी है। 19 वीं शताब्दी के मध्य में अंग्रेजों द्वारा विकसित किए जाने से पहले दार्जिलिंग सिक्किम राज्य का हिस्सा था और अस्थायी रूप से नेपाल से गोरखाओं द्वारा आक्रमण करके शासित था। अगर आप यहां हैं तो ऐतिहासिक दार्जिलिंग पर्वत रेलवे टॉय ट्रेन पर यात्रा करें। मानसून के मौसम के दौरान यहां पर जाना ठीक नहीं माना जाता, क्योंकि यहां पर काफी भारी वर्षा होती है। यह क्षेत्र भारत के सबसे शानदार स्थानों में से एक है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत जांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुजरना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियो के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

इसे भी पढ़ें: एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी मे घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वैदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

स्त्री के हिस्से का वक्त

वक्त की कमी का रोना रोने वाली औरतों से मेरा साबका खूब पड़ता है। ये सब दोनों तरह की औरतें हैं। जो नौकरी वाली हैं। दफ्तरी काम या टीचरों का तय टाइम होता है। बाकी जिन्हें सिर्फ घर पर रहना है। बच्चों और परिवार को दोनों ही संभालें हैं। सब की सब शिकायती लहजे में कहती हैं, उनके पास वक्त नहीं हैं। जाहिर है, ये सब घरेलू काम निपटाती हैं। जो खुद नहीं करती, उन्हें सहायिकाओं को निर्देश देने होते हैं। उनका आना-जाना, काम सब देखना होता है। कुछ सलीके से तो कुछ बेसलीका बल्कि फूहड़ता से। दो वक्त का खाना पकाती हैं। थोड़ी घर-गिरहस्थी भी कर लेती हैं। पास-पड़ोस में बतियाती, सब्जी-भाजी का मोल करती, सारा दिन काट लेती हैं। जब भी इनके साथ बात करो, पता चलता है, इनके पास समय नहीं है। अपने लिए भी नहीं। हालांकि इनके अपने कोई शौक नहीं। इनकी कोई इच्छाएं भी नहीं। बस, आंख मूंदे चली जा रहीं हैं। कहां, यह भी नहीं पता। वे इसी भ्रम में हैं कि उनके बिना परिवार नहीं चल सकता। घर नहीं संभल सकता। कोई उनके बगैर एकदम नहीं चल सकता। लेकिन अनमें गजब का खालीपन है। उन्हें अपनी शख्सियत को लेकर संदेह है। साथ के साथ वे मुसलसल परेशान भी हैं। महामारी के बाद के इस समय में मैंने अपने इर्द-गिर्द की, करीबियों, दोस्तों और कुटुंब की तमाम अधेड़/ जवान औरतों को जानते-बूझते टटोला। तफ्तीश से यह जानने की कोशिशें की कि उनके शौक क्या हैं, वे क्या करना चाहती हैं और यह भी ऐसी कोई चीज या बात, जो उन्हें बेचैन करती हो। हैरत है, अमूमन औरतें ऐसे सवालों के लिए तैयार नहीं थीं। उन्होंने कभी यह सोचा ही नहीं। उन्हें समाज, पितृसत्तात्मक व्यवस्था, स्त्री के खिलाफ हो रहे शोषण या बर्ताव को लेकर कोई शिकायत नहीं है। वे दहेज या बेटी के असुरक्षित भविष्य को लेकर तनिक परेशान नहीं।

बेटों की मांएं शान से वधूपक्ष को लूट रही हैं या लूटने को तैयार बैठी हैं। जबकि बेटियों की मांओं को अच्छे वर की तलाश है। सबका एजेंडा समान है। सबकी सब भाग रही हैं। जाना कहां है, यह किसी को मालूम नहीं। वे ठहर कर कभी खुद के विषय में सोचने को राजी नहीं। जिनके पति रिटायरमेंट के करीब हैं, उन्हें पति के रुटीन की तो फिक्र है पर अपनी नहीं। जैसा कि अपन जानते हैं, स्त्री का कभी अवकाश नहीं होता। नौकरी करने वाले पुरुष अवकाश प्राप्त करते ही निश्चिंत होकर बैठ जाएंगे या बैठ रहे हैं। वे घंटों टीवी व मोबाइल स्क्रीन से चिपके रहते हैं। मैसेज/वीडियो फारवर्ड करना उनका प्रमुख टाइम पास है। इसके उलट औरतें वक्त की कमी का रोना अधेड़ावस्था में भी रो रही हैं। उन्हें गृहस्थी संभालनी है। अपनी जमी-जमाई गृहस्थी में किसी को घुसने नहीं देना चाहती। उन्हें घर की दीवारों, पुराने बक्सों, रसोई के डब्बों और अल्मारियों में तरतीब से जमीं पुरानी साड़ियों/लिहाफों की ही फिक्र खाये रहती हैं। अपनी शादी के अलबमों व जवान हो चुके बच्चों की तस्वीरों, उनके छोटे पड़ चुके कपड़ों और पुरानी सायकिल या सूख रही फुटबॉल को लेकर बार-बार भावुक होती हैं। दवाओं/ डॉक्टरों की बातों, शरीर में यहां-वहां के दर्द, ऑप्रेसनों और मंहगे इलाजों के बारे में परिचितों को ज्ञान बांटने में खासा वक्त जाया होता है।

अमूमन औरतों का काफी समय घरेलू काम में ही निकल जाता है। ज्यादातर औरतें पूजा-पाठ, तीज-त्योहार में खुद को झोंके रहती हैं। औरतों की सत्ता घर-गृहस्थी तक सीमित रहती है। जिसे वे खूब इंज्वाय करती हैं। असल में, यह उनका साम्राज्य होता है। हालांकि इस साम्राज्य को समेटने और सीने से चिपटाये रखने में उनकी बहुत सारी शक्ति लग जाती है। परिवार और जरूरी चीजों को संभालने में वे खुद को ही भूल जाती हैं। कीमती कपड़ों की तहों और जेवरात के रेशमी डिब्बों के दरम्यान उनके मासूम ख्वाब, तमन्नाएं, हसरतें दबते/खोते चले जाते हैं। अपने मन के किवाड़ों को खटखटाना वे भूलती चलीं जाती हैं। उन पर धूल की परतें चढती जाती हैं। सब धीरे-धीरे स्याह हो जाता है। रेत की तरह वक्त कब मुट्ठी से फिसल गया, उन्हें अहसास ही नहीं हो पाता। परिवार वालों में अपनी खुशियों को रखती-उठाती स्त्री खुद को खो देती है। उसके दर्द, कुंठाएं, दबी हसरतें सब चिड़चिड़ाहट और उकताहट बन कर रोजाना के बर्ताव में छलकने लगते हैं। ये तो ऐसी ही हैं, सरीखे तानें सुन-सुन कर वे थेथर हो जाती हैं। हालांकि इसे गहराई से वे कभी समझ नहीं पातीं। जिन्दगी में अपना कोना संभालने की कभी जरूरत ही नहीं महसूसतीं। घर-परिवार, रिश्ते-नातेदारी, त्योहारों और पारिवारिक समारोहों को ओढती-बिछाती स्त्री अपने लिए मुट्ठी में रुमाल भी नहीं समेट नहीं पाती। उसका अपना, सबका होता जाता है। जबकि सबका अपना-अपना हमेशा रिजर्व रहता है। जहां औरत का कोई इख्तियार नहीं रहता। कुछ क्षण तो अपने हों, जिन्हें बेरोक-टोक रख-उठा सके। जी सके, बुन सके। ■

खरी खरी

■ मनीषा

रेत की तरह वक्त कब मुट्ठी से फिसल गया, उन्हें अहसास ही नहीं हो पाता। परिवार वालों में अपनी खुशियों को रखती-उठाती स्त्री खुद को खो देती है। उसके दर्द, कुंठाएं, दबी हसरतें सब चिड़चिड़ाहट और उकताहट बन कर रोजाना के बर्ताव में छलकने लगते हैं। ये तो ऐसी ही हैं, सरीखे तानें सुन-सुन कर वे थेथर हो जाती हैं। हालांकि इसे गहराई से वे कभी समझ नहीं पातीं।

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(01-07 दिसम्बर)

मेष -(21मार्च -20अप्रैल)- सोच एवं प्रतिभा से दूसरों को प्रभावित करेंगे। लगन एवं मेहनत से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। वित्तीय परियोजनाओं को लेकर आगे बढ़ने का समय है। यदि परिवर्तन चाहते हैं तो अभी थोड़ा समय लगेगा। दूसरी नौकरी का प्रयास कर रहे हैं तो प्रयास जारी रखें, सफलता अवश्य मिलेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समय पर उठें, खाएं एवं व्यायाम करें। मानसिक सुकून पाने के लिए कुछ समय संगीत सुनें। पारिवारिक जीवन में थोड़ी कटुता आ सकती है। दाम्पत्य जीवन में वैमनस्य की सम्भावना है। पति-पत्नी शांतिपूर्वक बातचीत के द्वारा समस्या सुलझाने का प्रयास करें।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- चुनौतियों का सामना करें, कार्य ना छोड़ें। बदलाव का समय है। नया करने में ऊर्जा लगाएं। नौकरी में बदलाव की सम्भावना है। प्राथमिकताओं की सूची बनाएं, उसी के अनुसार कार्य करें। मूड में बदलाव हो सकता है। कार्य रोकने का मन हो सकता है पर लगन के साथ करते रहें, अंत में सफलता अवश्य मिलेगी। पारिवारिक जीवन में बहुत सोच समझकर एवं संभलकर चलना है। रिश्ते में प्यार एवं विश्वास बना कर चलें, किसी भी गलतफहमी के शिकार ना हों। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें।

मिथुन (22मई -21जून)- कार्यक्षेत्र में ज्यादा चुनौतियां होंगी क्योंकि काम का दबाव बना रहेगा। मन मुताबिक सहयोग नहीं मिल पाएगा। अवांछनीय यात्राओं में हानि और परेशानी हो सकती है। खान-पान एवं सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें। समय से उठें, खाएं एवं व्यायाम करें। साझेदारी में सावधान रहें एवं किसी पर भरोसा करने से बचें। वैवाहिक जीवन में मनमुटाव की सम्भावना है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझने की कोशिश करें। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्कता बरतें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक जीवन में मनमुटाव की सम्भावना है। संयम से काम लें।

कर्क (22जून -22जुलाई)- घाव छिपाते हुए स्वयं को आहत कर रहे हैं। मन की बातें व दर्द साझा करें ताकि घावों का उपचार हो सके। ऊर्जा का संचय करें व प्राथमिकताओं पर सम्पूर्ण ध्यान केंद्रित करें। काम में अत्यधिक व्यस्तता के कारण थकान का अनुभव करेंगी। अवकाश लेकर स्वयं को तरोताजा करने की जरुरत है। ध्यान एवं व्यायाम के लिए समय निकालें। सावधानी बरतें। तर्क वितर्क से बचें। धोखा मिल सकता है। निजी संबंधों को प्रेम से सींचें। आर्थिक निवेश करने से पूर्व अच्छे से जांच पड़ताल कर लें। परिवार के साथ समय बिताएं।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- समय उत्तम व फलदायक है। व्यवसाय व साझेदार से लाभ मिलने की सम्भावना है। प्रदर्शन उत्तम रहेगा। यदि बदलाव चाहते हैं तो समय अनुकूल है। पदोन्नति के भी योग हैं। परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। निर्णय लाभदायक होंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य अथवा उत्सव संभव है। भूमि और संपत्ति खरीदने के योग हैं। आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। मित्रों से मुलाकात होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- आजीविका में बहुत उज्जवल है। वरिष्ठ महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। वातावरण सुखद होगा। मेहनत और लगन से किए गए कार्य में अनुकूल लाभ मिलेगा। नए मित्र बनाएंगे। मनोरंजन गतिविधियों में शामिल होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को तय समय में पूरा करने से लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन मधुर होगा। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनशैली में बदलाव लाएं। व्यायाम अथवा योग के लिए समय निकालें। आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है।

तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)- सम्पत्ति में इजाफा होने की सम्भावना है। करियर में काफी अच्छा रहेगा, नई नौकरी मिल सकती है। पार्टनर के साथ मिलकर कोई नया व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। लम्बे समय से बीमार चल रहे व्यक्तियों की सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। पारिवारिक जीवन मधुर होगा। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। अविवाहित जातक जातिकाओं के विवाह का योग बन रहा है।

वृश्चिक (24अक्टूबर -22नवम्बर)- प्रेम संबंधों में कोई वादा ना करें जो आगे जाकर विवादों में डाल दें। खान-पान का ध्यान दें। समय पर सोएं। सुबह सूर्य नमस्कार करें। उत्साह बनाए रखें और साहस के साथ चुनौतियों का सामना करें। समस्याओं का हल निकालें। मेहनत के बदले ख्याति मिलेगी। टीम को साथ लेकर चलें। महिला अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में मतभेद की सम्भावना है। दाम्पत्य जीवन में मतभेद की सम्भावना है। समय दें एवं बातचीत द्वारा आपसी मतभेद को दूर करने की कोशिश करें। वाणी पर संयम रखें।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- सकारात्मक ऊर्जा से ओत प्रोत रहेंगे। किसी बड़े कार्य की शुरुआत करेंगे। बुद्धिमत्ता एवं मेहनत से उस कार्य को सफलतापूर्वक आगे ले जाएंगे। नौकरी पेशा जातकों का रुतबा बढ़ेगा। पदोन्नति और अच्छी नौकरी मिलने की सम्भावना है। व्यापार में लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी। विवाहयोग्य के विवाह का योग बन रहा है। संतान पक्ष से खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। निवेश के लिए समय अनुकूल है। खान-पान पर ध्यान दें। नियमित व्यायाम करें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- साथियों और अधिकारियों के साथ तर्क वितर्क कर सकते हैं। वांछित परिणाम पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। काम पर लगातार ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अगर कार्यक्षेत्र बदलना चाहते हैं तो धैर्य से काम लें। उलझन हो तो जानकार व्यक्ति से सलाह लें। आर्थिक निवेश बहुत सोच समझकर करें अन्यथा पैसा फंस सकता है। व्यवसाय अथवा नौकरी में उतार चढ़ाव आते रहेंगे। पारिवारिक जीवन में परेशानियां आ सकती हैं इसीलिए स्वयं पर नियंत्रण बनाए रखें और बुद्धि को भ्रमित ना होने दें। दाम्पत्य जीवन में मतभेद की सम्भावना है।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी)- यात्रा करते वक्त सावधानी बरतें। जोखिम भरे कार्य ना करें। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। साझेदारी या व्यापार में कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी ना करें। आय के नए स्त्रोत खुलने के योग बन रहे हैं। मेहनत और लगन से कार्य करते रहें। पदोन्नति की संभावना है। पति-पत्नी साथ समय व्यतीत करने की कोशिश करें, बिखर चुकी चीजों को पुनः संगठित करने में ऊर्जा लगाएं। सचेत रहें। परिवार में सुख समृद्धि बनाए रखने के लिए व्यवहार में बदलाव करना होगा। आर्थिक मामलों में अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

मीन (20फरवरी -20मार्च)- विचारों का आदान-प्रदान करने में समय बिताएंगे। रोजगार के क्षेत्र में की गई मेहनत रंग लाएगी। कई तरह की व्यावसायिक संभावनाएं रहेंगी, जो करियर और प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगी। अगर रोजगार की तलाश में हैं तो समय अनुकूल है। पदोन्नति के भी योग हैं। जीवनसाथी के संबंध मधुर होंगे। परिवार में मधुरता बनी रहेगी। दयालु और उदार बने रहकर प्रियजनों के और करीब आ जाएंगे। धन को लेकर सतर्क रहें। खर्च बढ़ सकता है। भ्रमण पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। खान-पान का विशेष ध्यान दें। ■

गाजर का हलवा

अनिता घोष

सामग्री- गाजर 500 ग्राम, एक कप दूध, मिल्क मेड 100 ग्राम, चीनी 100 ग्राम, घी दो चम्मच, काजू 25 ग्राम, किशमिश 25 ग्राम, बादाम 10-12 बारीक कटे हुए, इलायची 5 पिसी हुई।

विधि- गाजर को छील कर धो लें। फिर सभी गाजर को कद्दूकस कर लें। अब मीडियम आंच पर फ्राईंग पैन रखें। दो चम्मच घी डालकर गरम करें। घी गरम हो जाने के बाद कद्दूकस किया हुआ गाजर डाल दें। गाजर को लगातार चलाते रहें। जब गाजर का सारा पानी सूख जाए तो उसमें चीनी, दूध और मिल्क मेड मिला लें। चीनी मिलाने के बाद फिर अच्छे से मिश्रण को चलाते रहें। जब गाजर का सारा पानी सूख जाए तो उसमें काजू, बादाम, किशमिश और इलायची पाउडर डालें। तैयार हो गया गाजर का हलवा। गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को बाउल में रखें। खोया और कटे हुए बादाम से गर्निश करें।

मिक्स चिकन सूप

सामग्री- 200 ग्राम बोनलेस चिकन, 2 गाजर, 4-5 कटा हुआ फ्रेंच बींस, बंध गोभी के 4-5 पत्ते बारीक कटे हुए, हरी प्याज एक कप कटी हुई, लहसुन कली 4-5 कटी हुई, एक इंच अदरक बारीक कटा हुआ, 2 चम्मच सोया सास, एक चम्मच विनिगर, काली मिर्च पाउडर आधा चम्मच, कार्न फ्लोर दो चम्मच, बटर दो चम्मच, नमक स्वादानुसार, पानी जरूरत के अनुसार।

विधि- मिक्स चिकन सूप के लिए सबसे पहले चिकन को धोकर छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। मीडियम आंच पर फ्राई पैन में पानी डाल दें। पानी गरम होते ही चिकन का टुकड़ा डाल दे। तब तक उबाले जब तक ना

चिकन पक जाए। दोबारा एक पैन मीडियम आंच पर रखें। दो चम्मच बटर डाले। बटर गरम हो जाने के बाद उसमें अदरक, लहसुन और हरी प्याज डाल कर अच्छी तरह भून लें। इसके बाद बारीक कटी सब्जियां पैन में डालें। अच्छी तरह मिलाते हुए 4-5 मिनट तक पकाएं। अब सब्जियों में विनिगर और सोया सास डालें। फिर 2 कप पानी डाल कर उबालें। जब पानी में उबाल आए तो चिकन का टुकड़ा डाल दें। कार्न फ्लोर का घोल बना लें। ध्यान रखें कि घोल में गांठ न बन पाए। अब इस घोल को सूप वाले पैन में सब्जियों के साथ मिलाएं। सूप को मीडियम आंच पर 4-5 मिनट तक पकने दें। अब सूप में काली मिर्च पाउडर और नमक डालें। तैयार हो गया मिक्स चिकन सूप।

चुकंदर के बॉल्स

सामग्री- 100 ग्राम कद्दूकस किया हुआ चुकंदर, 50 ग्राम पनीर, आधा कप कॉर्न फ्लेक्स (दरदरा पीसा हुआ), एक चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट, एक चम्मच खटाई, एक चुटकी चाट मसाला, 8-10 बारीक कटे काजू, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

विधि- एक बर्तन में कद्दूकस किया हुआ चुकंदर, पनीर, अदरक लहसुन पेस्ट, खटाई, चाट मसाला अच्छी तरह मिला लें। तैयार मिश्रण से छोटी और बराबर आकार की लोईयां बना लें। एक लोई लेकर इसके बीच में थोड़ी काजू डालकर फिर से गोल करें। इसी तरह से सारे लोईयों से बाल्स बना लें। एक प्लेट में कार्नफ्लावर पाउडर फैला कर रख लें। इस कबाब को कार्न फ्लेक्स पाउडर पर अच्छी तरह लपेट लें। मीडियम आंच पर फ्राई पैन रखें। पैन गरम होन पर तेल डालें। तेल गरम हो जाने के बाद एक साथ 4-5 बाल्स रखकर दोनों तरफ सुनहरा होने तक सेंक लें। तैयार हो गया चुकंदर का बाल्स। हरी चटनी के साथ खाएं और खिलाएं।

यही है जिंदगी

साहित्य की अमरता

■ क्षमा शर्मा

जिस दफ्तर में जीवन भर काम किया, वहां एक से एक बड़े लेखक आते थे। तीन दशक पहले की बात होगी। एक लेखक, जिनका उन दिनों बड़ा नाम था। बड़ी पत्रिकाओं अखबारों में छाए रहते थे। चम्बल के डकैतों पर उन्होंने बहुत कुछ लिखा था। एक दिन उन्होंने कहा, भाई मैं बहुत बड़ा लेखक हूं। अभी तो दुनिया मेरा जिक्र करती ही है। मेरे जाने के बाद भी लोग मुझे इतनी ही शिद्दत से याद करेंगे। उनका इस तरह का अभिमान बहुत से साथियों को पसंद नहीं आया। इसलिए जब वे चले गए तो लोग उनके बारे में तरह-तरह की बातें करने लगे। अफसोस, आज उनका नाम कहीं सुनाई नहीं पड़ता। नई पीढ़ी उनके बारे में जानती भी होगी, कहना मुश्किल है।

कई बार सोचती हूं कि प्रेमचंद या जयशंकर प्रसाद के जमाने में भी बहुत से लेखक लिख रहे होंगे। पाठकों का प्यार भी मिला होगा। चर्चित भी हुए होंगे। लेकिन आज उनमें से कितनों का नाम लोग जानते हैं। हम शर्मिंदा हैं कि बहुतों को नहीं जानते लेकिन आज की पीढ़ी का क्या। यह छिपी बात तो है नहीं कि इन दिनों नई पीढ़ी में बहुत कम युवा ऐसे हैं, जो साहित्य से लगाव रखते हैं।

अकसर लेखक सोचते हैं कि उन्होंने जो कुछ भी लिखा है, वह पहले किसी ने नहीं लिखा। न भूतो न भविष्यति। उन्हें लगता है कि जीते जी जितनी प्रसिद्धि, यश, सम्मान पाठकों का प्यार मिला है, वह उनके जाने के बाद भी बना रहेगा। लेकिन यह कड़वा सच है कि ऐसा होता नहीं है। जिस तरह कोई अमर नहीं होता, मृत्यु हर घर पर दस्तक देती है, लेकिन सब अमरता के बारे में सोचते हैं। कहते हैं कि पूरे रसायनशास्त्र का विकास अमृत और सोने की खोज के लिए हुआ है। किसी तरह कुछ रसायनों के संयोग से अमृत मिल जाए और सोना बना लिया जाए। लेकिन आज तक ऐसा हो नहीं सका। अमृत और सोना विश्व की किसी भी प्रयोगशाला में नहीं बनाए जा सके हैं। ऐसा नहीं है कि हम लेखक इसे नहीं जानते, लेकिन कल्पनाओं में रहते हैं कि जो कुछ हमने लिख दिया है, वह अमर है, सार्वभौमिक, सार्वकालिक है। जो कुछ हमने लिख दिया, वह हमेशा जीवित रहेगा, हम रहें या न रहें।

कई बार सोचती हूं कि प्रेमचंद या जयशंकर प्रसाद के जमाने में भी बहुत से लेखक लिख रहे होंगे। पाठकों का प्यार भी मिला होगा। चर्चित भी हुए होंगे। लेकिन आज उनमें से कितनों का नाम लोग जानते हैं। हम शर्मिंदा हैं कि बहुतों को नहीं जानते लेकिन आज की पीढ़ी का क्या। यह छिपी बात तो है नहीं कि इन दिनों नई पीढ़ी में बहुत कम युवा ऐसे हैं, जो साहित्य से लगाव रखते हैं। ज्यादा से ज्यादा वे युवा और छात्र जो साहित्य पढ़ते हैं, उन्हीं की यादों में साहित्यकार बने रहते हैं। वह भी बहुतों के लिए तब तक जब तक कि इसके जरिए कोई ठीक ठाक नौकरी न मिल जाए। वरना तो आठवीं या दसवीं तक जो लेखक पाठ्यक्रमों में हैं, वही याद रह जाते हैं। उनकी भी शायद वे रचनाएं ही जो नम्बर लाने के लिए पढ़नी पड़ती हैं। यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आज मीडिया में किसी मामूली अभिनेता/अभिनेत्री के कहे वाक्य किसी महान वाक्य की तरह परोसे जाते हैं, मगर लेखक हाशिए पर ही रहते हैं। इसके पीछे यह अवधारणा भी है कि साहित्य से कोई रोटी नहीं कमा सकता। आमतौर पर लेखन के जरिए जीविका चलाने वाले दो वक्त की रोटी भी नहीं जुटा पाते। ऐसे में जब बहुत-से अखबारों के पृष्ठों से साहित्य की विदाई हो चुकी है, साहित्य से जुड़ी पत्रिकाएं लगातार बंद होती जा रही हैं, अपनी बात कहने का जरिया सोशल मीडिया हो चला है, जिसमें उम्र मात्र कुछ मिनट और सैकंडस की होती है, ऐसे में इस सोच के कितने टके उठते हैं कि हमारे जाने के बाद भी हमारा साहित्य बचा रहेगा। हमें लोग हमारे लिखे के जरिए याद रखेंगे। सच तो यह है कि परिजन भी आपके जाने बाद चौथे या तेरहवें दिन आपसे मुक्ति पा लेते हैं, तो भला दूसरे क्यों कर याद रखें। इसीलिए हमेशा लगता है कि जब तक हैं, आपकी पीढ़ी है, तभी तक आप भी हैं। वरना साहित्य की अमरता मिथ ही है। ■

सर्दियों में पुरुष रखें त्वचा का ख्याल

सर्दियों का मौसम है, गर्म कपड़ों की लेयरिंग ठंडे मौसम से बचाती है। पुरुष यह भूल जाते हैं कि उनकी त्वचा को भी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत है। ग्रूमिंग की जरूरत पर जोर देते हुए, ज्लेड के सूरज चौधरी ने पुरुषों के लिए कुछ टिप्स दिए ताकि तापमान कम होने पर वे अपना ख्याल रख सकें।

दाढ़ी-

घनी दाढ़ी वालों को सिर की तरह ही अपनी दाढ़ी को शैम्पू और कंडीशन करना चाहिए। दाढ़ी के कई सारे स्टाइल्स है, लेकिन समय-समय पर उन्हें ट्रिम करना और ग्रूम करना आपके चेहरे को सही फ्रेम में रखने के लिए जरूरी है। दाढ़ी के लिए सही स्टाइलिंग प्रोडक्ट चुनें।

त्वचा का रखें ख्याल-

जब आप ट्रिम करने के बारे में सोच रहे हैं तो त्वचा का अच्छी तरह ख्याल जरूर रखें। शेविंग से पहले अच्छी नेचुरल शेविंग क्रीम का इस्तेमाल करें। असहजता से बचाव के लिए उसके बाद अल्कोहल-फ्री आफ्टरशेव लगाएं, खासकर जब आप संवेदनशील जगहों पर ट्रिमिंग कर रहे हों।

स्नान-

सर्दियों में लंबे समय तक गरम पानी से स्नान करना अच्छा लगता है। लेकिन अच्छी त्वचा के लिए पानी का तापमान थोड़ा कम रखना चाहिए। ज्यादा गर्म पानी त्वचा के लिए अच्छा नहीं होता। लंबे समय तक गर्म पानी में नहाने से बचें। भले ही इससे आराम मिलता हो लेकिन यह स्किन पर असर डालता है। तेज गर्म पानी से नहाने से त्वचा नेचुरल आयल खो देती है। नहाने का समय कम कर दें, गुनगुने पानी से नहाने और के लिए बनाए गए नेचुरल बाडी वाश से स्नान करें।

नमी-

पुरुषों के लिए नमी का मतलब सिर्फ दिन में दो बार चेहरे पर माइश्चराइजर लगाना नहीं है, इसे पूरे सालभर करना चाहिए। इससे नमी लाक हो जाती है और सर्दियों से जुड़ी ड्राई स्किन की समस्या से बचाव होगा। नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सबसे अच्छा तरीका है।

सनस्क्रीन-

तेज सर्दियों के मौसम में भी, सूरज की यूवी किरणें आपकी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचा सकती है। गर्मी में सनस्क्रीन लगाने के महत्व, सर्दियों में कुछ अलग नहीं होता। इसकी सुरक्षा की उतनी ही जरूरत होती है। जब भी बाहर 30 मिनट से ज्यादा वक्त बिताना हो, तो सनस्क्रीन जरूर लगाएं। बेहतर रिजल्ट के लिए और स्किनकेयर की इस जरूरी आदत को भूलने से खुद को बचाने के लिए, बेहतर है कि इसे रोजाना लगाएं चाहे आपके प्लान कुछ भी हों। ■

योगी सरकार चाहिये या फिर योग्य सरकार, बाबा मुख्यमंत्री को चलाना नहीं आता लैपटाप : अखिलेश

बांदा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुंदेलखंड में विजयरथ यात्रा के दौरान बांदा में जनता से सवाल किया है कि योगी सरकार चाहिये या योग्य सरकार। उन्होंने कहा कि जो लैपटॉप चला नहीं सकते वो दे भी नहीं सकते हैं। प्रदेश की सरकार ने नफरत फैलाई और बबार्दी की है और लूट की है। झूठे सपने दिखाने वालों को जनता बाहर का रास्ता दिखाए, इनका विकास तो सिर्फ नाम बदलने में हुआ है। बुंदेलखंड के तीन दिवसीय दौरे पर वह बांदा में विजयरथ यात्रा शुरू करने से पहले जनसभा को संबोधित कर रहे थे। बांदा के राजकीय इंटर कालेज मैदान से पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विजय यात्रा की शुरूआत की। यहां रैली में उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार बुंदेलखंड आते-आते फेल हो गई। बुंदेलखंड में साढ़े चार वर्ष में सरकार ने कुछ नहीं किया, यहां के 32 लाख लोग गरीब हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार ने जनता पर बुलडोजर चलाया है, अब जनता अपना बुलडोजर चलाकर भाजपा सरकार का सफाया करेगी। अखिलेश ने कहा कि हम परिवार वाले हैं परिवार का

दर्द जानते हैं। जिनका कोई परिवार नहीं है वह क्या जानेंगे आपका दर्द। उन्होंने बीएड, शिक्षामित्रों, टीईटी अभ्यर्थियों का दिल जीतने का प्रयास किया। कहा कि भाजपा सरकार के साढ़े चार वर्ष पूरे हो गए, लेकिन सरकार ने कोई भी काम नहीं किए। इनके जुमले ही नहीं विज्ञापन भी झूठे हैं। इन्होंने वादा किया था कि हवाई चप्पल पहनने वाले को हवाई यात्रा कराएंगे लेकिन हवाई यात्रा कराना तो दूर, किसानों को खाद तक नहीं मिल रही। बेसहारा मवेशी उसी तरह खेतों को साफ कर रहे हैं और किसान रात-रात जागकर फसलें बचा रहा है। उन्होंने कहा कि हम आपको भरोसा दिला कर जा रहे हैं कि अपने किसान भाइयों की हमने सिंचाई मुफ्त की थी, सरकार बनेगी तो मुफ्त सिंचाई के इंतजाम करेंगे। कहा कि इनके साढ़े चार साल के कार्यकाल में केवल बबार्दी हुई है। अगर विकास हुआ होता तो किसान खुशहाल हो जाता। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार का बुंदेलखंड आते-आते इंजन फेल हो गया है। आने वाले समय में जो चुनाव होने जा रहा है, वह समाजवादियों का तो है ही, आपके भविष्य का भी चुनाव है। कहा, बाबा लैपटाप व स्मार्ट फोन चलाना जानते ही नहीं तो वह नौजवानों को क्या बांटेंगे। विकास के नाम पर यह नाम बदलने वाली सरकार है। हमारी सरकार ने 100 नंबर दिया, जिसे अब 112 कर दिया। अमन हत्याकांड में पुलिस अभी तक कुछ नहीं कर पाई। दोषियों को सत्ताधारी बचा रहे हैं। रैली के बाद वह विजय रथयात्रा लेकर अशोकलाट होते हुए महोबा के लिए निकल गए।

नई दिल्ली से वाराणसी जा रही काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस में लगी आग, पहुंची तकनीकी टीम

मुरादाबाद। अमरोहा के गजरौला में दिल्ली-मुरादाबाद रेलवे लाइन पर काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस की एक बोगी के नीचे से निकल रही बिजली की सप्लाई करने वाली बेल्ट में अचानक आग भड़क गई। जानकारी के बाद तत?काल ट्रेन को मौके पर ही रोक लिया गया। इसके बाद रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची तकनीकी टीम ने आग बुझाई। उधर, ट्रेन में सवार यात्री भी उतर गए। इससे अफरातफरी की स्थिति बनी रही। हादसा दिल्ली-रेलवे लाइन पर गांव दरियापुर के पास हुआ। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस नई दिल्ली से वाराणसी जा रही थी। दोपहर दो बजकर आठ मिनट पर जैसे ही ट्रेन गजरौला रेलवे स्टेशन से निकलकर गांव दरियापुर के पास पहुंची तो अचानक से एक बोगी के नीचे से निकल रही बिजली सप्लाई करने वाली ड्राईनुमा बेल्ट में आग भड़क गई। इसकी जानकारी ट्रेन के चालक को हुई तो उसने ट्रेन को मौके पर ही रोक दिया और कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन में आग लगने की

सूचना से हड़कंप मच गया। मौके पर गजरौला थाने से आरपीएफ इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार, जीआरपी व रेलवे की तकनीकी टीम पहुंच गई। टीम ने आग पर काबू पाया और नई बेल्ट लगाई गई। इसके बाद राहत की सांस ली गई। करीब 30 मिनट तक ट्रेन रुकने के बाद आगे के रवाना की गई। आरपीएफ के इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार ने बताया कि ट्रेन की बोगियों में बिजली सप्लाई करने वाली ड्राईनुमा बेल्ट में आग लगी थी। जिसके ठीक करने के बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हो गई।

घूस लेकर बदमाशों को छोड़ने के मामले में इंस्पेक्टर व कॉन्स्टेबल बर्खास्त

नोएडा। नोएडा पुलिस कमिश्नर ने भ्रष्टाचार के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। डीसीपी क्राइम की जांच रिपोर्ट के बाद एसओजी के प्रभारी और एक हेड कांस्टेबल को दोषी मानते हुए पुलिस सेवा से तत्काल बर्खास्त कर दिया गया है। जिले की पूरी एसओजी टीम को बर्खास्त कर उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने बताया कि एक दिन पूर्व गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में एटीएम हैकर का एक गिरोह पकड़ा गया था। जिन्होंने खुलासा किया था कि उन्हें कुछ समय पहले नोएडा में एसओजी की टीम ने पकड़ा था और एक कार व 20 लाख रुपये लेकर छोड़ दिया था। इस मामले में उन्होंने डीसीपी क्राइम अभिषेक को जांच सौंपी थी। अभिषेक से 24 घंटे में जांच रिपोर्ट तलब की गई थी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद एसओजी के तत्कालीन प्रभारी शावेज खान और हैड कांस्टेबल अमरीशकांत यादव को तत्काल पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। जिले की पूरी एसओजी टीम को भंग कर लाइन हाजिर कर दिया गया है। जिसमें एक दारोगा, तीन हैड कांस्टेबल और पांच कांस्टेबल लाइन हाजिर किए गये हैं। पुलिस कमिश्नर के द्वारा तत्काल की गई इस कार्रवाई से जिले के पुलिस कर्मियों में हड़कम्प मचा है। अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था लव कुमार ने कहा कि इस मामले में अभी जांच जारी है और आगे की जांच में यदि किसी और पुलिसकर्मी की कोई संलिप्तता निकलती है या कुछ और मामला पकड़ में आता है तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपी कांग्रेस मुख्यालय के बाहर अनशन पर डटे राजस्थान के बेरोजगार युवा, प्रमोद कृष्णम ने कहा- वार्ता करें अशोक गहलोत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए पसीना बहा रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए उन्हीं की पार्टी की राजस्थान सरकार ने मुसीबत खड़ी कर दी है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राजस्थान से आए बेरोजगार युवा चार दिन से कांग्रेस मुख्यालय के बाहर अनशन पर डटे हैं। अब तो उनकी तबीयत भी बिगड़ने लगी है। कांग्रेस के पदाधिकारी और खुद प्रियंका भले ही इससे बेफिक्र हों, लेकिन अब पार्टी के अंदर से ही आवाज उठने लगी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट किया है कि अशोक गहलोत राजस्थान के युवाओं से वार्ता करें। अपनी मुसीबत प्रियंका के गले में डालना उचित नहीं है। लखनऊ में बुधवार को कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय के बाहर राजस्थान से आए युवा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा के समक्ष दंडवत प्रणाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान एक महिला पंकज कुमारी की तबीयत खराब हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खुले आसमान के नीचे ठंड में रातें गुजार रहे राजस्थान के युवाओं को आस है कि कांग्रेस

मुख्यालय के अंदर से कोई नेता आएगा। उनकी बात प्रियंका गांधी वाड्रा या राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कराएगा, ताकि उनकी मांगें मान ली जाएं। मगर, ऐसा नहीं हुआ। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव का कहना है कि वे मांगें पूरी हुए बिना यहां से नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी मांगों पर विचार संबंधी राजस्थान सरकार का सहमति पत्र भी है। उपेन ने बताया कि कोई मालूम कर सकता है कि उनके सहित सभी प्रदर्शनकारी भाजपा के दलाल हैं या पुराने कांग्रेस समर्थक। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी कांग्रेस नेता उन्हें भाजपाई साबित कर दे तो सभी प्रदर्शनकारी तुरंत चले जाएंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट कर कहा है कि अशोक गहलोत राजस्थान के युवाओं से वार्ता करें। उन्होंने कहा कि 'यूपी कांग्रेस मुख्यालय के बाहर धरना दे रहे राजस्थान के बेरोजगार प्रदर्शनकारियों से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तत्काल वार्ता कर समस्या का समाधान निकालना चाहिए। अपनी मुसीबत को प्रियंका गांधी वाड्रा के गले में डाल देना कदापि उचित नहीं है।

कानपुर में तेंदुए के आतंक से स्कूल कॉलेज बंद, दहशत में लोग

कानपुर। कानपुर में बीते 3 दिनों से एक तेंदुआ ने लोगों की मुसीबतों को बढ़ा दिया है। तेंदुए की दहशत से लोग घबराए हुए हैं। तीन दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने में नाकाम ही रही है। वन विभाग की टीम ने नाइट विजन कैमरे लगाने शुरू कर दिए हैं। नई लोकेशन के मुताबिक तेंदुआ अब गंगा बैराज की तरफ घुस गया है, इससे आबादी वाले क्षेत्र में भी खतरा मंडराने लगा है। सिंचाई विभाग में तैनात माली जयकिशन ने बताया कि रात में अब काम करना बहुत ही ज्यादा खतरनाक हो गया है तो अकेले निकलने की हिम्मत भी नहीं है। हम लोग दिन में भी दो से तीन की टीम के साथ ही निकल रहे हैं। गार्ड ने बताया कि गार्ड रूम के पास रात करीब 1 बजे तेंदुआ गंगा बैराज पर देखा गया है। इसके फौरन बाद अन्य कर्मियों ने जब शोर मचाया तो बाघ पीछे की तरफ बने जंगल मे भाग गया।

इस दौरान सुबह पास ही स्थित पार्क में पंजे के निशान भी मिले हैं। जिसके बाद मौके पर पहुंचीं वन विभाग की टीम ने पंजो के निशान पर सर्किल बना दिये हैं। वहीं कई कर्मचारी तेंदुए की दहशत से कार्यालय भी नहीं पहुंचे हैं। दरअसल पहले दिन नवाबगंज स्थित वीवीएसडी कॉलेज और पंडित दीन दयाल स्कूल में तेंदुआ देखा गया है। तेंदुआ को पकड़ने के लिए टीमें लगातार जुटी हैं। उसके हमले के खतरे को देखते हुए स्कूल और कॉलेज को बंदकर उसकी तलाश शुरू की गई है। तेंदुए के संभावित आने-जाने के रास्ते पर नाइट विजन कैमरे लगाए जा रहे हैं।

मुजफ्फरनगर में कवाल कांड के बाद जनपद में हुए दंगे के पांच आरोपित सबूत के अभाव में बरी

मुजफ्फरनगर। जनपद में वर्ष 2013 में हुए दंगे के दौरान आगजनी और लूटपाट के पांच आरोपितों को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। मामले की सुनवाई एडीजे कोर्ट संख्या छह में चल रही थी। कवाल कांड के बाद जनपद में हुए दंगे के दौरान जनपद में अलग अलग स्थानों पर आगजनी की घटना हुई थी। आठ सितंबर 2013 को फुगाना थाना के गांव बहावड़ी निवासी नानू पुत्र सुक्खन ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि सात सितंबर 2013 को पंचायत से लौटी भीड़ ने उसके घर में घुसकर लूटपाट और आगजनी कर दी दी। उसने और स्वजन ने भागकर जान बचाई थी। नानू ने गांव के ही विनोद, कपिल, नरेश, आशीष, सुंदर और सतेन्द्र समेत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में एसआईटी ने जांच के बाद विनोद, नरेश, सुंदर, सतेंद्र और आशीष के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी।

छात्रों को स्मार्टफोन व टैबलेट का कहीं भी पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने के लिए जल्द बड़ी सौगात देने वाले हैं। उम्मीद है कि दिसंबर के दूसरे सप्ताह से फ्री स्मार्टफोन और टैबलेट का वितरण शुरू हो जाएगा। यूपी सरकार की इस योजना के तहत 12वीं से ऊपर यानी ग्रैजुएशन, पोस्टग्रैजुएशन, आईटीआई, मेडिकल एजुकेशन, पैरा मेडिकल और कौशल विकास विभाग में प्रशिक्षणरत और प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को फ्री स्मार्टफोन और टैबलेट दिया जाएगा। इसके लिए डीजी शक्ति नाम से पोर्टल बनाया गया है, जिसे जल्द ही सीएम योगी लॉन्च करेंगे। इसी पोर्टल के माध्यम से स्मार्टफोन और टैबलेट का वितरण और छात्रों को भविष्य में पढ़ाई के लिए कंटेंट दिया जाएगा। इसके अलावा स्मार्टफोन और टैबलेट के बारे में समय-समय पर छात्रों को उनके मोबाइल नंबर और मेल आईडी पर सूचना दी जाएगी। सरकार की ओर से छात्रों को फ्री स्मार्टफोन और टैबलेट देने के लिए राहत दी गई है और उन्हें कहीं भी पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं है। पंजीकरण से लेकर स्मार्टफोन और टैबलेट

वितरण तक पूरी व्यवस्था निशुल्क है। छात्रों का डेटा कॉलेजों की ओर से यूनिवर्सिटी को दिया जा रहा है और यूनिवर्सिटी के माध्यम से ही छात्रों के डेटा फीडिंग हो रही है। सोमवार तक करीब 27 लाख छात्रों का डेटा पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। शेष अन्य छात्रों के डेटा फीडिंग की भी प्रक्रिया तेजी से चल रही है। सरकार की ओर से स्मार्टफोन और टैबलेट की खरीद के लिए जेम पोर्टल पर अब तक का सबसे बड़ा टेंडर जारी किया गया है। 4700 करोड़ की लागत से खरीदे जाने वाले स्मार्टफोन और टैबलेट के लिए कई नामी कंपनियों ने टेंडर किया है। इसमें टैबलेट के लिए विशटल (आईरिस), सैमसंग (विजन) और एसर (सेलकॉन), स्मार्टफोन के लिए लावा, सैमसंग (सेलकॉन) और सैमसंग (यूनाइटेड) ने टेंडर दाखिल किया है। तकनीकी जांच के बाद योग्य फर्मों की वित्तीय निविदा खोली जाएगी। उम्मीद है कि दिसंबर के पहले हफ्ते तक वर्क आर्डर जारी होगा। टेंडर में चयनित कंपनियों को पहले लॉट में कम से कम ढाई लाख टैबलेट की आपूर्ति करनी होगी।

यूपी पीसीएस 2021 प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पीसीएस 2021 प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग ने 694 पदों की भर्ती निकाली है। इसमें सहायक वन संरक्षक व क्षेत्रीय वन अधिकारी के 16 पद भी शामिल हैं। पीसीएस के लिए 678 पद हैं। पदों के सापेक्ष मुख्य परीक्षा के लिए 7688 अभ्यर्थियों को सफलता मिली है। वहीं, सहायक वन संरक्षक व क्षेत्रीय वन अधिकारी के 16 पदों के सापेक्ष मुख्य परीक्षा के लिए 296 अभ्यर्थियों को सफल किया गया है। प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित हुए उम्मीदवार अपना यूपी पीसीएस प्रिलिम्स रिजल्ट 2021 को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर चेक कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 अक्टूबर 2021 को किया था। परीक्षा के बाद यूपीपीएससी ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के लिए आधिकारिक अनौपचारिक 'आंसर की' 27 अक्टूबर को जारी की गई थी।

मंत्री और अफसरों की मिली भगत से लीक हुआ टीईटी पेपर : चंद्रशेखर

उन्नाव। यूपी टीईटी पेपर लीक मामले में भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने प्रदेश की योगी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। देर रात एक निजी कार्यक्रम में उन्नाव पहुंचे चंद्रशेखर ने लोगों को संबोधित करते हुए टीईटी पेपर लीक मामले में बड़े सवाल खड़े किए। चंद्रशेखर ने कहा कि पेपर सुबह 10:30 बजे लीक नहीं हुआ। पेपर तो एक दिन पहले शाम को ही लीक हो गया था। बस पुलिस प्रशासन के लोगों से छुपा रखा था। चंद्रशेखर ने कहा कि अगर रात को चर्चा हो जाती कि पेपर लीक हुआ है तो पता चल जाता कि यहां के मंत्री और अधिकारियों की मिलीभगत से टीईटी का पेपर लीक हुआ है। जो सेंटर के मालिक हैं वहां सरकारी तंत्र के लोग जुड़े हुए हैं, उन्होंने ही पेपर लीक करवाया है। भीम आर्मी चीफ ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार में बैठे लोग अपने चहेते लोगों को नौकरी दिलवाना चाहते हैं। यही नहीं एक मोटी रकम भी उसके एवज में लेना चाहते हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि मेरे पास इसके सबूत हैं। मैं एक वकील और जिम्मेदार व्यक्ति हूं। कोई बात ऐसे हवा में नहीं कहता हूं।

परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को लेकर उन्होंने कहा कि तमाम लोगों का 200 किलोमीटर दूर सेंटर लगा होगा, तो सोंचो कितने दिन पहले तैयारी शुरू की होगी। सूबे की कानून व्यवस्था को लेकर भी चंद्रशेखर ने बीजेपी सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि यूपी में अभी बच्ची का रेप हुआ, उनकी माँ का रेप हुआ, फिर उनका कत्ल हुआ। उनके 10 साल के भाई का कत्ल हुआ। उनके पिता का कत्ल हुआ। चार लोगों का कत्ल हुआ और आजमगढ़ में दो लोगों का कत्ल हुआ। एक लेखपाल थे, उनका और उनकी पत्नी का कत्ल हुआ। चंद्रशेखर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बहुजन समाज के रहने लायक बचा नहीं है, क्योंकि सत्ता में बैठे लोग और उनके गुंडे किसी तरह से हमारे लोग आगे बढ़ रहे हैं उनके हक अधिकार को छीनते थे।

फेसबुक पर दोस्ती फिर लखनऊ के होटल में दुष्कर्म, युवती के पिता को उसका वीडियो भेजा, गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ की तालकटोरा पुलिस ने नाका स्थित एक होटल में नशीला पदार्थ मिलाकर छात्रा से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपित सनी गुप्ता को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उसने फेसबुक के जरिए छात्रा से दोस्ती की थी। दुश्कर्म का अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती का बार-बार शारीरिक शोषण करता रहा। फिर वीडियो युवती के पिता को भेज दिया। एडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि वर्ष 2019 में मूल रूप से आगरा की राम विहार कालोनी फेस-दो देवरी रोड के रहने वाले सनी ने फेसबुक के जरिए तालकटोरा में रहने वाली छात्रा से दोस्ती की। सनी ने उसे अपनी लच्छेदार बातों में फंसाकर शादी का झांसा दिया। इसके बाद वह लखनऊ आया। यहां आकर छात्रा को मिलने के लिए बुलाया और उसे नाका स्थित एक होटल में ले गया। होटल में छात्रा को काफी में नशीला पेय मिलाकर पिलाया।

ओडीओपी योजना के तहत 10 आवेदन पत्रों को मिली स्वीकृति

मऊ। जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु एवं एक जनपद एक उत्पाद योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।

जिला स्तरीय ओडीओपी समिति की बैठक संपन्न

औद्योगिक आस्थान सहादतपुरा की सड़क मरम्मत के सम्बन्ध में चर्चा की गयी, जिसमें अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि उक्त सड़क की मरम्मत नियमानुसार करायी जा चुकी है तथा पार्क में बाउण्ड्री वाल का निर्माण करा दिया गया है। एक जनपद एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष 46 आवेदन पत्र बैंकों में प्रेषित कर दी गयी है

जिनमें 122.63 लाख मार्जिन मनी सम्मिलित है। जिसमें 10 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति तथा 06 आवेदन पत्रों पर वितरण की कार्यवाही बैंक द्वारा कर दी गयी है। साथ ही एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत 400 लाभार्थियों का प्रशिक्षण उद्यमिता विकास संस्थान सरोजनी नगर लखनऊ द्वारा सम्पन्न करा लिया गया है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष 113 आवेदन पत्र विभिन्न बैंको में भेज दिया गया है, तथा 21 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति/वितरण की कार्यवाही विभिन्न बैंको द्वारा की गयी है। जिसमें 64.25 लाख की मार्जिन मनी सम्मिलित है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष 80 आवेदन पत्र विभिन्न बैंको में प्रेषित है तथा 12 अवेदन पत्रों पर स्वीकृति की कार्यवाही बैंको द्वारा की गयी है। जिसमें 38.25 लाख की मार्जिन मनी सम्मिलित है। उक्त अवसर पर औद्योगिक आस्थान सहादतपुरा में विद्युत तार के सैंग के ढिला होने के कारण जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियन्ता विद्युत को ठीक कराने के निर्देश दिये। इसके उपरान्त अधिशासी अभियन्ता नगर पालिका को औद्योगिक आस्थान में साफ-सफाई कराने के सख्त निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा समस्त उद्यमियों को अपनी दुकान को दुकान की सीमा के अन्दर रहकर दुकान लगाये, रोड के किनारें पर दुकान की सामग्री कुलर, फ्रीज, बर्तन सहित अन्य प्रकार की वस्तुए न रखने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग संयोजक सचिव जिला उद्योग बन्धु सगीर अहमद, अधिशासी अभियन्ता विद्युत सहित उद्यमि उपस्थित रहे।

गंगा और घाघरा की मिट्टी की पहचान व भारतीय परम्पराओं की शान है कुश्ती- माधवेन्द्र बहादुर सिंह

मऊ। सरयां बढ़ुआ गोदाम में स्व0 सतनरायन पहलवान के तिसरी पुण्यतिथि पर आयोजित विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में पूर्वांचल उ0प्र0 के चन्दौली, बनारस, गोरखपुर, बलिया, आजमगढ़, मऊ आदि जनपदों के नामी अखाड़ों के पहलवानों नें अपना दाव पेंच कारनामों से भारी भीड़ के बीच खूब बाहबाही लुटी हजारो की संख्या में जुटे दर्शकों ने अपने पसंदीदा पहलवानों पर पुरस्कारों की बारिश कर दी। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता माधवेन्द्र बहादुर सिंह सोनू बाबू नें प्रतियोगिता को सम्बोधित करते हुए आयोजक मण्डल दल के साथ सभी पहलवानों और दर्शकों को आभार प्रकट करते हुए कहा कि गंगा और घाघरा की मिट्टी की पहचान भारतीय परम्पराओं की शान है कुश्ती। इस परम्परा को मजबूती देना हमारा कर्तव्य है मेरे सामर्थ्य से जो भी होगा इस परम्परा को आगे बढ़ाने में सदैव तत्पर रहुंगा। विशिष्ट अतिथि देवनाथ यादव, प्रिन्स यादव, रामकरन बागी, रविप्रकाश गोपाल, अरविन्द यादव, शंकर पहलवान, पलकधारी, विनोद

यादव, अरविन्द राम आदि ने पहलवानों से हाथ मिलाकर अभिभावन किया। कुश्ती में पहलवान संजय गोरखपुर संग राजकुमार बदवां, प्रमोद सरवां संग अनिल गोरखपुर, रामनरायन भलया संग गोलू गोरखपुर, चेतन भड़सड़ संग मुन्ना भलया, शशिकान्त भरसड़ संग शिवम सरवां आदि पहलवान अपने जोर आजमाए। आयोजक मण्डल दल में प्रमुख रूप से उमाकान्त यादव पूर्व प्रधान सरयां, जयनरायन यादव, इन्दल पहलवान, नकुल यादव, सीताराम, अखिलेश पहलवान आदि लोग रहे।

मेसी ने रिकॉर्ड सातवीं बार जीता बलोन डी ओर का खिताब

पुतेलास बनीं सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी

पेरिस। लियोनेल मेसी को रिकॉर्ड सातवीं बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर का बलोन डी ओर पुरस्कार मिला जिन्होंने बार्सीलोना के साथ आखिरी सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और अर्जेंटीना के साथ पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता।

वहीं महिला वर्ग में अलेक्सिया पुतेलास ने बार्सीलोना और स्पेन के लिए अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर पुरस्कार जीता। 34 वर्ष के मेसी के शानदार प्रदर्शन के दम पर अर्जेंटीना ने जुलाई में कोपा अमेरिका खिताब जीता। पिछले 13 साल में मेसी (2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019 और 2021*) ने 7 और रोनाल्डो (2008, 2013, 2014, 2016, 2017) ने 5 बार यह अवॉर्ड अपने नाम किया। कुल मिलाकर मेसी और रोनाल्डो ने पिछले 13 साल में 12 बार यह खिताब आपस में बांटा है। 2018 में क्रोएशिया और रियल मैड्रिड के लुका मोदरिच ने यह पुरस्कार जीता था। यह पुरस्कार फ्रांस की फुटबॉल पत्रिका बलोन डीओर द्वारा 1956 से हर साल सर्वश्रेष्ठ पुरूष फुटबॉलर को दिया जाता है। यह 2018 से महिला वर्ग में भी दिया जा रहा है। दोनों पुरस्कार 2020 में कोरोना महामारी के कारण नहीं दिए गए थे। मेसी के 613 अंक रहे जबकि पोलैंड के स्ट्राइकर राबर्ट लेवांडोवस्की 580 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे। चेलसी और इटली के मिडफील्डर जोर्गिन्हो तीसरे स्थान पर रहे जबकि रीयाल मैड्रिड और फ्रांस के फॉरवर्ड करीम बेंजीमा चौथे स्थान पर रहे। पुतेलास ने इस साल 42 मैचों में 26 गोल किए। पिछले 10 साल में यह पहला मौका है, जब पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस अवॉर्ड की दौड़ में टॉप-3 में शामिल नहीं थे। बलोन डिओर की रैंकिंग में वह छठे नंबर पर रहे। मेसी ने बार्सीलोना के लिए कुल 672 गोल किए हैं। अपने आखिरी सत्र में उन्होंने 38 गोल दागे और कोपा डेल रे फाइनल भी जीता। कोपा अमेरिका में उन्होंने चार गोल किये और पांच में मदद की। अब वह पेरिस सेंट जर्मेन के लिए खेलते हैं जिसके लिए अब तक नौ मैचों में चार गोल कर चुके हैं। मेसी को बार्सिलोना में उनके पूर्व साथी लुईस सुआरेज ने ट्रॉफी थमाई। दोनों ने एक दूसरे को गले भी लगाया। समारोह में मेसी की पत्नी एंटोनेला भी पहुंची थीं। साथ ही दोनों के तीन बच्चे टियागो, मातियो और सिरो भी पहुंचे थे। मेसी को अवॉर्ड दिए जाने के बाद पेरिस के एफिल टावर पर लाइटिंग भी की गई।

लेवांडोवस्की बने बेस्ट स्ट्राइकर

राबर्ट लेवांडोवस्की को बेस्ट स्ट्राइकर चुना गया है और उन्होंने बलोन डिओर अवॉर्ड जीतने के लिए मेसी को बधाई दी है। लेवांडोवस्की ने एक सत्र में बुंदेसलीगा में 41 गोल का रिकॉर्ड बनाया जो जर्मनी के दिग्गज गर्ड म्यूलर से एक गोल अधिक है। उन्होंने फरवरी से सितंबर तक बायर्न म्युनिख के लिए लगातार 19 मैचों में गोल किए। वह इस सत्र में बायर्न के लिए 20 मैचों में 25 गोल कर चुके हैं।

मेसी ने कहा, मैं बहुत खुश हूं

मेसी ने पुरस्कार जीतने के बाद अनुवादक की मदद से कहा, मैं बहुत खुश हूं। नए खिताबों के लिए लड़ते रहना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, पता नहीं अभी कितने साल बाकी है लेकिन उम्मीद है कि काफी समय है। मैं बार्सीलोना और अर्जेंटीना में सभी साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मेसी ने कहा, मैं रॉबर्ट से यह कहना चाहता हूं कि तुम्हारा प्रतिद्वंद्वी होना सम्मान की बात है। हर कोई यह कहेगा कि तुम पिछले साल इसके हकदार थे।

सबसे ज्यादा बार बलोन डी ओर जीतने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	अवॉर्ड
लियोनल मेसी	7
क्रिस्टियानो रोनाल्डो	5
जोहान क्रायफ	3
माइकल प्लातिनी	3
मार्को वान बास्टन	3
फ्रेंच बेकेनबाउर	2
रोनाल्डो नाजारियो	2
अल्फ्रेडो डी स्टेफनो	2
केविन कीगन	2
कार्ल हेन्ज	2

आईपीएल 2022 : रोहित, विराट धोनी, बुमराह व पंत रिटेन

नीलामी में उतरेंगे स्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या, राशिद खान और केएल राहुल

मुंबई। गत चैंपियन महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल और ग्लेन मैक्सवेल कुछ बड़े नामों में शुमार हैं जिन्हें मौजूदा आठ फ्रेंचाइजी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के लिए बरकरार रखने का फैसला किया है जबकि हार्दिक पांड्या और ईशान किशन इस बार नीलामी में शामिल होंगे।

लेग स्पिनर राशिद खान ने हैदराबाद के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। हैदराबाद ने अब केन विलियम्सन के साथ- साथ उमरान मलिक और अब्दुल समद को भी रिटेन कर लिया है। मुंबई इंडियंस ने कीरोन पोलार्ड और सूर्यकुमार यादव को रिटेन कर लिया है, इससे पहले जसप्रीत बुमराह और रोहित शर्मा को भी एमआई ने बरकरार रखा था। इसका मतलब ये हुआ कि हार्दिक पांड्या और इशान किशन इस बार नीलामी में शामिल हो सकते हैं। बेंगलुरु ने भी तीन खिलाड़ियों को रिटेन करने का फैसला किया है, विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी आरसीबी के साथ ही रहेंगे। राजस्थान ने संजू सैमसन को अपने साथ रखने की घोषणा की थी और अब बटलर, जोफ्रा आर्चर और जायसवाल भी राजस्थान के साथ ही रहेंगे। पंजाब किंग्स ने अपने कप्तान राहुल को खो दिया है लेकिन मयंक अग्रवाल और अर्शदीप सिंह को रिटेन करने का फैसला किया है। हालांकि मुश्ताक अली के फाइनल में छक्का लगाकर तमिलनाडु को चैंपियन बनाने वाले शाहरुख खान के बारे में कोई खबर नहीं मिली है।

नई टीमों के पास 25 दिसंबर तक तीन खिलाड़ियों को साइन करने का समय

नई फ्रेंचाइजी लखनऊ और अहमदाबाद के पास 1 दिसंबर से 25 दिसंबर तक तीन खिलाड़ियों को साइन करने का समय है, जिन खिलाड़ियों को मौजूदा आठ मौजूदा फ्रेंचाइजी के द्वारा रिटेन नहीं किया गया है। उन्हें नई फ्रेंचाइजी अपने टीम में शामिल कर सकती है। आईपीएल की आठ मौजूदा टीमें अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी। दो अलग-अलग संयोजन के साथ टीमें रिटेंशन के लिए अपलाई कर सकती हैं।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची

टीम	रिटेन खिलाड़ी
चेन्नई सुपर किंग्स	रवींद्र जडेजा (16 करोड़ रु.), एमएस धोनी (12 करोड़ रु.), ऋतुराज गायकवाड़ (6 करोड़ रु.), मोइन अली (8 करोड़ रु.)
कोलकाता नाइट राइडर्स	आंद्रे रसल (12 करोड़ रु.), वरुण चक्रवर्ती (8 करोड़ रु.) वेंकटेश अय्यर (8 करोड़ रु.), सुनील नरेन (6 करोड़ रु.)
सनराइजर्स हैदराबाद	केन विलियमसन (14 करोड़ रु.), उमरान मलिक (4 करोड़ रु.) अब्दुल समद (4 करोड़ रु.)
मुंबई इंडियंस	रोहित शर्मा (16 करोड़ रु.), जसप्रीत बुमराह (12 करोड़ रु.), सूर्यकुमार यादव (8 करोड़ रु.) और कीरोन पोलार्ड (6 करोड़ रु.)
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	विराट कोहली (15 करोड़ रु.), ग्लेन मैक्सवेल (11 करोड़ रु.) मोहम्मद सिराज (7 करोड़ रु.)
दिल्ली कैपिटल्स	ऋषभ पंत (16 करोड़ रु.), अक्षर पटेल (9 करोड़ रु), पृथ्वी शॉ (7.50 करोड़ रु.), एनरिच नॉर्त्जे (6.50 करोड़ रु.)
राजस्थान रॉयल्स	संजू सैमसन (14 करोड़ रु.), जोस बटलर (10 करोड़ रु.) और यशस्वी जायसवाल (4 करोड़ रु.)
पंजाब किंग्स	मयंक अग्रवाल (12 करोड़ रु.), अर्शदीप सिंह (4 करोड़ रु.)

आईपीएल 2022 के लिए टीमों का शेष पर्स

टीम	शेष पर्स
चेन्नई	सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रु. शेष
केकेआर	सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रु. शेष
दिल्ली	सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रु. शेष
हैदराबाद	तीन खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 57 करोड़ रु. शेष
मुंबई	सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रु. शेष
आरसीबी	तीन खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 57 करोड़ रु. शेष
राजस्थान	तीन खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 57 करोड़ रु. शेष
पंजाब किंग्स	दो खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 66 करोड़ रु. शेष

आबिद और शफीक के अर्धशतकों की मदद से जीता पाकिस्तान

बांग्लादेश को पहले टेस्ट में आठ विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

चटगांव। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन मंगलवार को आठ विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

पाकिस्तान को जीत के लिए 202 रन का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तान ने मंगलवार को अपने सलामी बल्लेबाजों के बीच 109 रन की ओपनिंग साझेदारी के दम पर ठोस शुरुआत की थी। पाकिस्तान ने जीत के लिए शेष 93 रन दो विकेट गंवा कर जोड़ लिए। दोनों ओपनर स्कोर को 151 रन तक ले गए। अब्दुल्लाह शफीक 129 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 73 रन बनाकर आउट हुए। मेहदी हसन ने शफीक को पगबाधा किया। आबिद अली जब अपने

शतक से नौ रन दूर थे कि तभी वह तेजुल इस्लाम की गेंद पर पगबाधा हो गए। आबिद ने 91 रन की जबरदस्त पारी खेली। अजहर अली ने नाबाद 24 और कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 13 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। पाकिस्तान ने दो विकेट पर 203 रन बनाकर जीत अपने नाम की।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारत तीसरे नंबर पर

दुबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में पहला टेस्ट मैच ड्रॉ होने के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021-2023 चक्र की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर खिसक गया है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी अंक तालिका में भारत को नुकसान, जबकि पाकिस्तान को फायदा हुआ है। एक तरफ भारत जहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच ड्रॉ होने से अंक नहीं बटौर पाया, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान मेजबान बांग्लादेश को उसी के घर पर पहले टेस्ट मैच में हरा कर 12 अंक लेकर 24 अंकों और 66.66 की जीत प्रतिशत के साथ अब भारत से आगे दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। भारत 30 अंकों और 50 की जीत प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर है।

द. अफ्रीका ए ने बनाए सात विकेट पर 233 रन

ब्लोमफोंटेन। इशान पोरेल और नवदीप सैनी की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ए ने दूसरे अनौपचारिक क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ए का स्कोर सात विकेट पर 233 रन किया।

तेज गेंदबाज पोरेल ने 26 जबकि सैनी ने 54 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। अर्जन नागवासवाला (44 रन पर एक विकेट), सौरभ कुमार (64 रन पर एक विकेट) और बाबा अपराजित (34 रन पर एक विकेट) ने भी उनका अच्छा साथ निभाया। दक्षिण अफ्रीका ए ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। जॉर्ज लिंडे (44), सलामी बल्लेबाज सारेल इर्वी (38), रेनार्ड वान टोंडर (34), सिनेथेंबा केशिले (32) और जुबेर हमजा (31) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। दिन का खेल खत्म होने पर मार्को जेनसन 38 जबकि लुथो सिपामला एक रन बनाकर खेल रहे थे। लिंडे और जेनसन ने सातवें विकेट के लिए 53 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका ए का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। लिंडे ने 63 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा जबकि जेनसन 62 गेंद की अपनी पारी में अब तक पांच चौके और एक छक्का जड़ चुके हैं।

मिताली व स्मृति क्रमशः तीसरे व छठे स्थान पर कायम

दुबई। भारतीय बल्लेबाज मिताली राज और स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एक दिवसीय क्रिकेट रैंकिंग में तीसरे और छठे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि हरफनमौला दीप्ति शर्मा पांचवें स्थान पर है। मिताली के 738 अंक हैं जबकि स्मृति के 710 अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका की लिजेले ली 761 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और हेली मैथ्यूज वनडे बल्लेबाजों और हरफनमौलाओं की रैंकिंग में ऊपर आई हैं। टेलर बल्लेबाजी में शीर्ष दस में आ गई है जबकि हरफनमौलाओं की सूची में चौथे स्थान पर है। मैथ्यूज आठवें स्थान पर हैं। हरफनमौलाओं की सूची में मरिजान्ने शीर्ष पर हैं जबकि नटाली स्किवेर दूसरे और एलिसे पैरी तीसरे स्थान पर है। दीप्ति 299 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के ड्रॉ घोषित

बाली। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के ड्रॉ घोषित किए। इंडोनेशिया के बाली में आज से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में अनुभवी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को आसान ड्रॉ मिला है। वह ग्रुप ए में ऑल इंडिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप की उप विजेता थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग, जर्मनी की इवोन ली और डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफर्सन के साथ महिला एकल में स्पर्धा करती नजर आएंगी। सिंधु के अलावा इस प्रतियोगिता में कुल सात भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी भाग लेंगे। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष युगल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। सात्विक-चिराग की जोड़ी का सामना दुनिया की नंबर एक जोड़ी मार्कस गिदोन और केविन सुकामुल्जो, किम एस्ट्रुप और एंडर्स रासमुसेन तथा ओलंपिक चैंपियनज जोड़ी ली यांग और वांग ची लिन से होगा।

भारत और न्यूजीलैंड की टीम दूसरे टेस्ट के लिए मुंबई पहुंची

मुंबई। भारत और न्यूजीलैंड की टीम तीन दिसंबर से यहां वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के लिए मंगलवार को यहां पहुंची। मुंबई क्रिकेट संघ ने अधिकारी ने बताया कि दोनों टीमें शाम को चार्टर्ड विमान से कानपुर से यहां पहुंची। मुंबई में लगभग पांच साल बाद टेस्ट क्रिकेट की वापसी होगी। यहां पिछला टेस्ट 2016 में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। महाराष्ट्र सरकार ने मैच के लिए दर्शकों की सीमा को स्टेडियम की क्षमता के 25 प्रतिशत तक सीमित किया गया है।

कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने भारत के द. अफ्रीका दौरे के बारे में कहा

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा दौरा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने मंगलवार को कहा कि भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा, बशर्ते वहां कोविड-19 का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन मिलने के बाद स्थिति खराब न हो। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में दूसरा और आखिरी टेस्ट खेलना है, जिसके बाद टीम वहां से आठ या नौ दिसंबर को चार्टर्ड विमान से जोहानिसबर्ग के लिए रवाना होगी।

धूमल ने भरोसा जताया कि द. अफ्रीका द्वारा तैयार जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खिलाड़ी सुरक्षित रहेंगे। पहला टेस्ट जोहानिसबर्ग में 17 दिसंबर से खेला जाएगा। हम उनके साथ खड़े हैं। बात सिर्फ इतनी है कि हम खिलाड़ियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। फिलहाल हमारे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जोहानिसबर्ग के लिए चार्टर्ड फ्लाइट की योजना है और खिलाड़ी जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे। खतरे से निपटने के लिए दक्षिण अफ्रीका के अंदर स्थलों के संभावित बदलाव पर धूमल ने कहा, हम लगातार क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के अधिकारियों के संपर्क में हैं। सीरीज को कोई नुकसान नहीं हो उसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे, लेकिन अगर स्थिति खराब होती है और इससे हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से समझौता होता है तो हम देखेंगे। उन्होंने कहा, अंत में हम भारत सरकार के आदेश का पालन करेंगे। दुनिया भर के कई देशों ने पहले ही कड़े कदम उठाते हुए दक्षिण अफ्रीका से यात्रा पर बैन लगा दिया है, लेकिन भारत ने ऐसा नहीं किया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम कोरिया रवाना

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम पांच से 12 दिसंबर तक होने वाले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मंगलवार को कोरिया के डोंगहे के लिए रवाना हो गई। 2018 की उप विजेता टीम भारत इस सिंगल पूल टूर्नामेंट में चीन, कोरिया, जापान, थाईलैंड और मलेशिया के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करती नजर आएगी। भारत पांच दिसंबर को अपने शुरुआती मैच में थाईलैंड से भिड़ेगा, जबकि छह दिसंबर को उसका अगला मैच मलेशिया से होगा। फिर आठ दिसंबर को मेजबान एवं गत चैंपियन कोरिया के खिलाफ तीसरा मैच होगा। भारतीय टीम का नौ दिसंबर को चीन और 11 दिसंबर को आखिरी मुकाबला जापान से होगा। प्रतियोगिता का फाइनल 12 दिसंबर को पूल के टॉपर और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम के बीच होगा।उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु में रिहैबिलिएटेशन कर रही नियमित कप्तान रानी रामपाल की अनुपस्थिति में गोलकीपर सविता पुनिया भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी। सविता ने इस पर कहा, निश्चित तौर पर पूरी टीम उत्साहित है। ओलंपिक के बाद यह हमारा पहला टूर्नामेंट है और हमारी जिम्मेदारी है कि हम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें। हमारे पास काफी युवा हैं जो टीम का हिस्सा हैं और वह अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करेंगे। उन्हें भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इसमें कोई शक नहीं कि हम शीर्ष रैंकिंग वाली टीम के रूप में मैदान पर उतरेंगे, लेकिन हम नहीं चाहते कि यह प्रतिष्ठा कोई अतिरिक्त दबाव डाले।

दक्षिण अफ्रीका ने टीम इंडिया के लिए सुरक्षित बायो-बबल का वादा किया

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने बहुप्रतीक्षित श्रृंखला के लिए यहां पहुंचेगी तो उसके लिए पूर्ण जैव सुरक्षित माहौल (बायो-बबल) तैयार किया जाएगा। मंत्रालय ने साथ ही कोविड-19 का नया प्रारूप मिलने के बावजूद ए टीम के दौरे से नहीं हटने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सराहना भी की। भारत ए मंगलवार से ब्लोमफोंटेन में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट खेलेगा। नया ओमीक्रोन प्रारूप मिलने के कारण वैश्विक चिंताओं के बावजूद भारतीय बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला जारी रखने का फैसला किया है। भारतीय सीनियर टीम भी 17 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट खेलेगी जिसके बाद इतने की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी होंगे। विराट कोहली और उनकी टीम नौ दिसंबर को यहां पहुंचेगी लेकिन देश में कोविड का ओमीक्रोन प्रारूप मिलने के बाद दौरे को लेकर कुछ चिंताएं हैं। इस नए प्रारूप के सामने आने के बाद कई देशोंने यात्रा पाबंदियां लगाई हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग विभाग (डर्को) जो देश का विदेश मंत्रालय है, ने कहा, भारतीय टीम के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका सभी जरूरी एहतियाती कदम उठाएगा। दक्षिण अफ्रीका और भारत ए टीम के अलावा दोनों राष्ट्रीय टीम के लिए पूर्ण रूप से जैव सुरक्षित माहौल तैयार किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा, भारत ए टीम के दौरे को जारी रखकर एकजुटता दिखाने का भारत का फैसला कई देशों के विपरीत है जिन्होंने अपनी सीमाओं को बंद करने और दक्षिण अफ्रीका से यात्रा को सीमित करने का फैसला किया है। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सरकार दौरा जारी रखने के लिए बीसीसीआई की सराहना करती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट सेंचुरियन में 26 दिसंबर से होगा। तीन मैच केपटाउन में तीन जनवरी से खेला जाएगा। मंत्रालय ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय टीम का दौरा दक्षिण अफ्रीका की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की 30वीं वर्षगांठ भी होगा। दक्षिण अफ्रीका सरकार की रंगभेद नीतियों के कारण 1970 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा दक्षिण अफ्रीका टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से प्रतिबंधित करने के बाद भारत 1991 में देश की अंतरराष्ट्रीय टीम की मेजबानी करने वाला पहला देश बना था।

शूटिंग चैम्पियनशिपः मध्यप्रदेश ने जीते तीन स्वर्ण सहित छह पदक

अंशिका गुप्ता ने स्वर्ण व श्रेया अग्रवाल ने कांस्य पदक पर साधा निशाना

भोपाल। मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने 64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 3 स्वर्ण, 2 रजत और एक कांस्य सहित कुल छह पदक जीत लिए हैं। इसके साथ ही चैंपियनशिप में अब तक 13 पदक जीत लिए है। मध्यप्रदेश की अंशिका गुप्ता ने 10 मीटर रायफल इवेंट में स्वर्ण और श्रेया अग्रवाल ने कांस्य पदक पर निशाना साधा।

मप्र के खिलाड़ियों ने अन्य पदक टीम स्पर्धा में जीते। चैम्पियनशिप का आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ के संयुक्त तत्वावधान में मप्र शूटिंग अकादमी बिसनखेड़ी में 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक किया जा रहा है। मप्र की अंशिका गुप्ता ने 10 मीटर रायफल यूथ महिला व्यक्तिगत वर्ग में 250.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र को क्रमशः रजत तथा कांस्य पदक मिला। 10 मीटर रायफल

यूथ महिला टीम इवेंट में मप्र की अंशिका गुप्ता, गौतमी भनोट और याना राठौर की टीम ने 1873.2 अंकों के साथ स्वर्ण पर कब्जा जमाया। हरियाणा को रजत और पश्चिम बंगाल ने कांस्य पदक जीता। 10 मीटर रायफल महिला टीम इवेंट में मप्र की श्रेया अग्रवाल, मानसी सुधीर सिंह कठैत, अंशिका गुप्ता की टीम ने 1884.2 अंकों के साथ स्वर्ण पदक पर निशाना साधा। वहीं पंजाब को रजत और राजस्थान को कांस्य पदक मिला।दस मीटर रायफल महिला टीम इवेंट सिविलियन में अंशिक गुप्ता, आशी चौकसे, रिशी की तिकड़ी ने 1868.1 अंकों के साथ रजत पदक जीता। स्पर्धा का स्वर्ण पश्चिम बंगाल और कांस्य कर्नाटक के खाते में गया। 10 मीटर रायफल जूनियर महिला टीम में मप्र मानसी सुधीर, अंशिका गुप्ता, आशी चौकसे की टीम ने 1875.5 अंकों के साथ रजत पदक जीता। स्पर्धा का स्वर्ण पदक पंजाब और कांस्य पदक कर्नाटक के नाम रहा। इसके अलावा 10 मीटर रायफल महिला इंडिविजुअल इवेंट मप्र की श्रेया अग्रवाल ने 227.7 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं, दिल्ली को स्वर्ण और हिमाचल प्रदेश को रजत पदक मिला।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

मध्य प्रदेश के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री नरोत्तम मिश्रा, वन मंत्री विजय शाह और औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के विशेष आग्रह पर 64वीं राष्ट्रीय महिला वर्ग के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए शूटिंग अकादमी पहुंचे। सभी मंत्रियों ने नवनिर्मित 50 मीटर शूटिंग रैंज, शॉटगन रैंज और 10 मीटर शूटिंग रैंज का अवलोकन किया और शॉटगन रैंज पर निशाना भी साधा। तत्पश्चात 10 मीटर रैंज पर चल रहे महिला वर्ग के फाइनल मुकाबलों को देखा एवं विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर शूटिंग अकादमी की हाई परफारमेंस प्रशिक्षक सूमा शिरूर ने उन्हें खिलाड़ियों की उपलब्धियों से अवगत कराया। शूटिंग अकादमी परिसर में भ्रमण के दौरान सभी माननीय मंत्रियों ने खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा शूटिंग अकादमी में उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं को उच्चस्तरीय बताया और अकादमी की मुक्तकंठ से सराहना की।

लोक गायिका मोहिनी मिश्रा सहित 21 विशिष्ट जनों को बनारस शिरोमणि अवार्ड से नवाजा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद के 15 वे स्थापना दिवस पर लंका स्थित होटल किंग्स बनारस में विभिन्न क्षेत्रों योगदान देने वाले 21 विशिष्ट जनों को बनारस शिरोमणि अवार्ड से विशिष्ट जनों को अंगवस्त्रम , स्मृति चिन्ह, बुके , प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के टीबी व चेस्ट विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ चिकिसक प्रो एस. के. अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश त्रिपाठी, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ गंगा सहाय पांडये, एन्टी करप्शन कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी नूतन सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश मिश्रा व द टू मिरर के प्रधान संपादक काली शंकर उपाध्याय ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम व बुके दे कर सम्मानित किया। अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की

शुरूआत की। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या की शुरूआत भजन गायक चंद्रमोहन अस्थाना ने गणेश वंदना से की फिर संगीत कड़ी में युवा लोकप्रिय गायक सर्वेश लाल यादव के एक से बढ़कर एक गीतों ने उपस्थित लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उसके बाद आचार्य डॉ देवेंद्र पांडये की अगुवाई में वैदिक ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार किया। इस अवसर संस्था का परिचय प्रदेश सचिव डॉ दशरथ पवार ने दिया। इसके लेखिका प्रियंवदा मिश्रा द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस मुख्य अतिथि प्रो एस. के. अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता समाज का प्रमुख अंग हैं। पत्रकारों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बिना किसी दबाव के करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ गंगा सहाय पांडये ने कहा कि पत्रकार जगत समाज हित की लड़ाई लड़ रहा है हमे उनका हर सम्भव मदद करना चाहिए। इस अवसर जिन्हें बनारस शिरोमणि अवार्ड से सम्मानित किया गया उनमे लोकगीत गायिका मोहिनी मिश्रा (गायन) , सुशील कुमार मिश्रा (पत्रकारिता), अनिल रमन(संगीत), शशांक मिश्रा (बैंकिंग),डॉ आर.के. शर्मा (चिकिसा), डॉ आर के शर्मा, एम एम फाउंडेशन, डॉ सुधीर मिश्रा, सुरेंद्र यादव, मीना मिश्रा, डॉ नसीमा निशा, अंजलि अग्रवाल, प्रज्ञा श्रीवास्तव, पत्रकार सन्तोष कुमार सिंह, डॉ चकाचौंध ज्ञानपुरी, सुमन शर्मा, दीपक अस्थाना, तनु सिंह, अंजनी मिश्र, रहे। कार्यक्रम के अंत मे धन्यवाद ज्ञापन संजय कुमार ने किया। इस अवसर पर रघुवीर सिंह, राजीव गौतम, अजीत पांडये बाबुल, राणा शेरू सिंह, आशीष मोदनवाल, प्रवीण श्रीवास्तव, महानंद शाही, धीरज उपाध्याय, शारदा मिश्रा, अभिषेक उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कैथवलिया में जमीनी विवाद को लेकर प्रधान पर जानलेवा हमला

प्रखर सैदपुर। सैदपुर थाना अंतर्गत ग्राम सभा कैथवलिया में बुधवार 1 दिसंबर बुधवार की सुबह 9:30 बजे के आसपास ग्राम प्रधान पंकज सिंह पुत्र

हरिवंश सिंह उम्र 42 वर्ष पर गांव के ही लोगों द्वारा जमीन विवाद में हमला कर दिया गया । आनन-फानन में अपने घरवालों ने पुलिस को सूचित किया और उन्हें लेकर सैदपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां उनकी स्थिति को देखते हुए डाक्टरों ने गाजीपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां पर डाक्टरों ने उन्हें भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनकी हालत अभी स्थिर बताई जा रही है । घर वालों का आरोप है कि ग्राम सभा कैथवलिया निवासी प्रदीप सिंह पुत्र स्व रामा सिंह और उनके घर के लोगों से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। जिस पर प्रदीप सिंह द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा था। उसी को रोकने ग्राम प्रधान पंकज सिंह सुबह-सुबह घर से निकले थे। लेकिन उन पर अचानक हमला कर दिया गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इस संदर्भ में सैदपुर कोतवाल ने बातचीत में बताया कि इस मामले में अभी घरवालों द्वारा तहरीर नहीं दी गई है। लेकिन इस मामले की जानकारी पुलिस के आला अधिकारियों को है। तहरीर मिलते ही इस मामले में एफआइआर दर्ज कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

श्री शिर्डी साई बाबा मंदिर का मनाया गया दो दिवसीय 10वां स्थापना दिवस निकाला गया बाबा की भव्य पालकी शोभायात्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मलदहिया स्थित श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर का दो दिवसीय 10 वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें प्रातः काल बाबा का आरती व पंचामृत से स्नान कराया गया और बाबा को मनमोहक फूलों से युक्त आरक्षित किया गया तत्पश्चात बाबा की आरती की गई तथा पूरे मंदिर परिसर को सुंदर फूलों व तरह-तरह के मौसमी फलों से सजाया गया । जिसके पश्चात बुधवार सुबह 11:00 बजे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बाबा की भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गई जो मलदहिया स्थित परिसर से निकलकर तेलियाबाग , जगतगंज ,लहुराबीर होते हुए मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुआ` रास्ते भर शोभायात्रा के मार्ग में विभिन्न जगहों पर बाबा की आरती उतारी गई शहनाई के मंगल ध्वनि के साथ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया शोभा यात्रा के मंदिर पहुंचने पर आरती उतारी गई तथा भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया । सायंकाल 6:00 बजे से सुंदरकांड का आयोजन हुआ तत्पश्चात बाबा की महाआरती की गई व सायंकाल महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रेम मिश्रा ,अशोक जयसवाल , रामभजन अग्रहरी ,सोमनाथ विश्वकर्मा , मनीष चौबे , गुलशन कुमार ,आशीष कुमार , उज्जवल कनौजिया , राहुल गुप्ता , सत्य प्रकाश आर्य ,अजय गुप्ता इत्यादि लोग उपस्थित रहे ।

असलहे के बल पर बदमाशों ने लूटे ट्रक चालक से हजारों रुपए

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। थाना क्षेत्र के तमाचा बाद पुलिस चौकी से मात्र 200 मीटर दूर एक ढाबे पर स्कार्पियो सवार बदमाशों ने दो ट्रक चालकों से असलहे के बल पर हजारों रुपए लूटकर फरार हो गए । मिली जानकारी के अनुसार बीती रात तमाचाबाद स्थित एक ढाबे पर चार बकरी लदे ट्रक चालक रूके थे पिछे से स्कार्पियो सवार बदमाशों आये और असलहो से फायरिंग कर ट्रक चालकों से मार पिटकर ?11000 लूट कर लिये तथा दो ट्रक चालक पीछे की तरफ भागे, बदमाशों ने ढाबे के कर्मचारी को भी धमकी देते हुए ढाबे में तोड़फोड़ किये । ट्रक चालक डर के डर वस बिना पुलिस को सूचना दिए ही चले गये क्षेत्र में पुलिस के कार्यशैली पर तरह-तरह की चचाएं व्याप्त है।

जनपद न्यायालय में स्थापित ई-सेवा केन्द्र द्वारा विभिन्न सेवायें उपलब्ध करायी जा रही- सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजीपुर

प्रखर गाजीपुर। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजीपुर ने बताया है कि जनपद न्यायालय में स्थापित ई-सेवा केन्द्र द्वारा विभिन्न सेवायें उपलब्ध करायी जा रही है। जिसमें प्रकरण की स्थिति, सुनवाई की आगामी तिथि, प्रकरणो की ई-फाईलिंग में सहायता, न्यायालय शुल्क के आनलाईन शुल्क भुगतान में सहायता, ई-कोर्टस सर्विसेस एप क बारे में जानकारी, विडियों कान्फसिंग, न्यायाधीशगण के अवकाश पर होने की सूचना, निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे मे जानकारी, विशेष न्यायालय के स्थान पर उसकी वाद सूची और क्या मामला है की जानकारी ई-कोर्ट परियोजना के अन्तर्गत डिजिटल रूप से उपलबध सुविधाओं के सम्बन्ध में एवं अन्य सभी प्रश्नों के उत्तर देने में सहायता प्रदान करना एवं अन्य सेवाये उपलब्ध है।

डीएम गाजीपुर ने कोरोना से मृतक के परिजनों को रजिस्ट्रेशन कराने का दिया निर्देश

प्रखर गाजीपुर। जिलाधिकारी एम.सिंह. ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि कोविड-19 के संक्रमण से मृत व्यक्तियों के निकटतम परिजन को शासन के निदेर्शानुसार सहायता के रूप में रू0 50,000/- की धनराशि प्रदान किया जाना है, जिसके लिये निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र में मृतक का पूर्ण विवरण उपलब्ध कराते हुए कोविड की जांच रिपोर्ट, मृत्यु प्रमाण-पत्र, मृतक एवं परिजन के आधार कार्ड की छायाप्रति, परिजन के बैंक खाते की पासबुक की छायाप्रति तथा मोबाइल नम्बर का विवरण देते हुए निर्धारित प्रारूप पर आवेदन जिलाधिकारी कार्यालय मे आपदा पटल पर अथवा संबंधित तहसील कार्यालय में एक सप्ताह के अन्दर दिया जा सकता है। सर्वसाधारण को यह भी सूचित किया जाता है कि आवेदन पत्र का प्रारूप और उसके साथ सलग्न किये जाने वाले समस्त अभिलेखों/ साक्ष्यों का विवरण जनपद गाजीपुर की वेबसाइड ghazipur.nic.in से लिंक https://ghazipur.nic.in/disaster-management/ से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है। यदि कोई परिवार/ आवेदक ऐस है जो जिलाधिकारी / उपजिलाधिकारी कार्यालय में आवेदन जमा करने में सक्षम नही है तो ऐसे आवेदकों के लिये ई-मेल covidgzp2021@gmail.com बनायी गयी है, जिस पर आवेदन पत्र और आवेदन पत्र के साथ संलग्न सभी अभिलेखों की पी0डी0एफ0 फाइल प्रेषित कर दी जाय और उसके आधार पर अगले दिन सम्बन्धित लेखपाल द्वारा आवेदक से सम्पर्क कर उनका आवेदन पत्र एव अभिलेखों की प्रतियॉ प्राप्त किया जायेगा।

कोतवाल ने पेश की दरियादिली, बुजुर्ग महिला का कराया उपचार

प्रखर केराकत जौनपुर। कोतवाली में तैनात प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत इन दिनों अपने अनूठे अंदाज और मददगार व्यक्तित्व के लिये आम जन की जुबान पर बसे हुए है, चाहे फरियादी हो या अपराधी दोनों को अपने-अपने तरीके से संतुष्ट करने का कोतवाल साहब की शैली निराली है। गौरतलब है कि नगर में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर बैंक निरीक्षण में निकले कोतवाल साहब ने जैसे ही एक बुजुर्ग महिला को नगर के स्टेट बैंक के पास असहाय व परेशान स्थिति में देखा तो तुरन्त ही उसका हाल जानने पहुँच गये। वृद्ध महिला ने बताया कि उसको सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र से दवा

लेना है। इतना सुनाना ही था कि अपने मातहतों को निर्देशित करते हुए स्वयं अस्पताल में पहुँच महिला का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दिलवाया, और इसे सरायबीरू तक उसके घर तक छोड़कर वापस आये। इंस्पेक्टर साब के इस अवतार को देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने जमकर तारीफ किया। पुलिस के दोस्ताना रवैये से आमजन में पुलिस के प्रति विष्वास को और भी मजबूत किया।

कोरोना टीकाकरण के लिये लोगों को किया गया जागरूक

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के अकबरपुर व डेहरी ग्राम पंचायत में कैम्प लगातार 110 लोगो का टीकाकरण किया गया! सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने टीकाकरण कराने आये लोगो को जागरूक करते हुए बताया कि कोरोना महामारी के प्रकोप को रोकना हैं तो टीकाकरण जरूरी है तभी जाकर कोरोना से बचा जा सकता है टीकाकरण में काफी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने हिस्सा लिया इस अवसर पर डॉ प्रभात एडिशनल सीएमओ,डॉ अजय कुमार सिंह अधीक्षक सामुदायिक केंद्र केराकत,ग्राम प्रधान फरहान अहमद सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावितों को आवास का आवंटित भूमि पर नहीं मिला कब्जा

रौनापार (आजमगढ़)। बाढ़ आपदा प्रभावित लोगों ने मंगलवार को सगड़ी तहसील पहुंचकर नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि लेखपाल ने आवास के लिए भूमि आवंटित किया। जिसका सीमांकन भी किया गया लेकिन अभी तक कब्जा नहीं दिया गया। भूमि पर दबंगों व गोलबंद लोग कब्जा किए हुए हैं। नायब तहसीलदार ने उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। सगड़ी तहसील क्षेत्र के कटान से विस्थापित हुए महुला गढ़वाल बांध के उत्तर बसे देवारा खास राजा गांव के 61 किसानों की भूमि और मकान बाढ़ के चलते सरयू नदी की धारा में विलीन हो गई थी। तहसील प्रशासन ने इन्हें बसाने के लिए भूमि पट्टा किया था, लेकिन अभी तक पट्टे की भूमि नहीं मिली पाई है।

बेसिक के स्कूलों में हुई वाद विवाद प्रतियोगिता

प्रखर पिंडरा वाराणसी। श्री विश्वनाथ मंदिर कोरिडोर के लोकार्पण पर एक दिसम्बर से 24 दिसम्बर तक बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाये जा रहे विविध कार्यक्रम के तहत बुधवार को परिषदीय विद्यालयों में काशी का पौराणिक महत्व पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चो ने चढ़ बढ़ कर हिस्सा लिया।क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय फूलपुर, पिंडराई, मंगारी, जमापुर, व पूर्व माध्यमिक विद्यालय बाबतपुर, फूलपुर, सिंधोरा, जाठी, मंगारी, हिवरनपुर समेत अनेक विद्यालयों में वाद विवाद प्रतियोगिता हुई। जिसमें बच्चो ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया। कम्पोजिट विद्यालय पिंडराई में जूनियर स्तर में कक्षा 7 की छात्रा साक्षी ने प्रथम तथा प्रिंसी यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही प्राथमिक स्तर पर अंकुश प्रथम व सत्यम द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

समाजवादी पार्टी का महिला जागरूकता कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी की महिला जागरूकता कार्यकर्ता सम्मेलन नगर पालिका मैदान में किया गया ।जिसमें सभी विधान सभा क्षेत्रों से महिलाओ ने भाग लिया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती लीलावती कुशवाहा ने कहां कि जब से भाजपा सरकार बनीं है महंगाई , बेरोजगारी, और भ्रष्टाचार से पूरी महिलाएं एवं आम जनता परेशान हैं । सरकार का नारा खोखला साबित हुआ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इसी जौनपुर जिले में महंगाई से तंग आकर तीनों बेटियों ने जान दे दिया । पूर्व विधान परिषद सदस्य श्रीमती कुशवाहा ने जोर देकर कहा कि महिलाओं याद रखना भाजपा सरकार कभी भी आप की हितैषी नहीं हो सकती है यह पूजी पतियों के हितैषी है। श्रीमती कुशवाहा ने महिलाओं को याद दिलाया कि जब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी मुख्यमंत्री थे तो बेटियों को कन्या विद्याधन , महिलाओं,को समाजवादी पेंशन,पढ़ें बेटी बढ़े बेटी योजना चलाई गई थी जिससे महिलाओं को इज्जत सम्मान मिलता था ।आज महंगाई से तंग आकर आत्म हत्या कर रही है।यह जालिम सरकार को उखाड़ फेंकना है। श्रीमती कुशवाहा ने कहा कि किसानों की आय दो गुनी करने का वादा किया था आज किसान खाद बीज के लिए

परेशान हैं । किसानो का खेत खलिहान बिक्री से बच गया। श्रीमती कुशवाहा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसान धान को लेकर इधर उधर भटक रहा है न तो राइस मिल खरीद रहीं हैं न तो धान क्रय केंद्र खरीद रही है किसानों का धान औने पौने दाम में बीचौलियो के हाथों बेचना पड़ रहा है। श्रीमती कुशवाहा ने महिलाओं से अपिल किया कि 2022 में जौनपुर जिले की सभी सीटों को जिताकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प ले तभी प्रदेश की जनता का भला होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज मालती निषाद व संचालन हिसामुद्दीन शाह ने किया मुख्य रूप सपा जिलाअध्यक्ष लालबहादुर यादव प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी पूर्व विधायक श्रद्धा यादव प्रदेश उपाध्यक्ष जारीना उस्मानी प्रदेश उपाध्यक्ष राजदेवी चौधरी प्रदेश सचिव रेनू बाला, प्रदेश सचिव रेशमी चौधरी प्रदेश सचिव डां सुमन यादव पुनम मौर्य डां शबनम नाज,निर्मला श्रीवास्तव,सोनी यादव डां चित्रलेखा सिंह, संगीता सिंह,सरताज बानो, रुखसाना बेगम पूनम दुबे, सीमा खाँ,तारा त्रिपठी, माला शुक्ला, शबीना,रेखा श्रीवास्तव, कान्ति देवी,चंदन सरोज, आरीफ हबीब,मनोज मौर्या शेखू खाँ ,भानु प्रताप मौर्या, गुड्डू सोनकर,रेयाज आलम, गप्पू मौर्या, कमालुद्दीन अंसारी, आदि लोग मौजूद रहे ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का होगा ऐतिहासिक स्वागत- चिक्कन सिंह

प्रखर सन्तकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व क्षेत्र पंचायत सदस्य पौली राकेश सिंह उर्फ चिक्कन सिंह ने कहा कि आगामी 7 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गोरखपुर में आगमन हो रहा है। गोरखपुर आकर एम्स एवं खाद कारखाने का लोकार्पण करने का कार्यक्रम तय है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐतिहासिक स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश व देश की सरकार ने जनकल्याण की योजनाओं के साथ प्रदेश को चौतरफा विकास किया है।कोरोना काल मे गरीबो को मुफ्त अन्न प्रदान करने का कार्य योगी सरकार में हुआ।प्रदेश में भ्रष्टाचार व गुंडाराज समाप्त हो गया है।आज भाजपा सरकार में राममंदिर का भव्य निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। कश्मीर से धारा 370 हटाने का कार्य भी भाजपा सरकार ने किया है।सभी कार्यकर्ता अब पूरे मनोयोग के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में कमल का फूल खिलाकर मे लग जाए।

एड्स दिवस पर बन्दियों को किया गया जागरूक

प्रखर संतकबीरनगर। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं प्रभारी जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वशिष्ठ के पूवार्नुमति से जिला कारागार संत कबीर नरगर में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता एवं साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कारागार में उपस्थित बन्दियों को एड्स बीमारी के सम्बन्धित कारण और उससे बचाव के सम्बन्ध में जानकारी जिला अस्पताल के डाक्टर वरूणेश दूबे द्वारा प्रदान की गयी। सचिव हरिकेश कुमार ने बताया कि वर्ल्ड एड्स डे मनाने का उद्देश्य एचआईवी संक्रमण की वजह से होने वाली महामारी एड्स के बारे में हर उम्र के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। एड्स आज के आधुनिक समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। न्छप्ब्थ् की रिपोर्ट की मानें तो अब तक 37 मिलियन से ज्यादा लोग भ्प्ट के शिकार हो चुके हैं जबकि भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आकड़ों के अनुसार भारत में एचआईवी के रोगियों की संख्या लगभग 3 मिलियन के आसपास है। डॉ वरूणेश ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचएओ) के मुताबिक एचआईवी एक वायरस के कारण होने वाला संक्रमण है। यह असुरक्षित यौन संबध बनाने, संक्रमित व्यक्ति के रक्त के माध्यम से या गर्भावस्था या प्रसव के दौरान मां से बच्चे में फैल सकता है। असुरक्षित यौन संबध के कारण इस संक्रमण के मामले अधिक देखने को मिलते हैं। इसके अतिरिक्त बन्दियों को अन्य संचारी रोगों से बचाव के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त बन्दियों को अन्य संचारी रोगों से बाचव के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम के समय जेल जी0आर0 वर्मा एवं उपकारापाल नयनकमल सिंह तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही कारागार का निरीक्षण भी किया गया। जिसके अधिकांश बन्दियों ने अपनी समस्यायें बतायी। बंदी हरीशचन्द्र पुत्र बैजनाथ जिसे आजीवन कारावास की सजा हुयी है ने जेल अपील किये जाने हेतु अधिवक्ता उपलब्ध कराये जाने तथा एक बन्दी ने जमानत हो जाने के उपरान्त भी रिहाई न हो पाने का कथन किया।

भाकियू (अम्बावता) की अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के 10वें दिन तहसील और कप्तानगंज चीनी मिल प्रबन्धन के अधिकारी लक्ष्मीगंज बन्द मिल गेट पर पहुँचे

प्रखर कुशीनगर। जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने और कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के सम्पूर्ण भुगतान की माँगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में किसानों द्वारा अनवरत धरना प्रदर्शन का आज 10वां दिन है। आज दिनाँक 01 दिसम्बर 2021 को धरना स्थल पर तहसील कप्तानगंज के उपजिलाधिकारी के प्रतिनिधि शिवमुरारी लाल श्रीवास्तव और कप्तानगंज चीनी मिल के सहायक गन्ना अधिकारी अभिषेक सिंह ने जिलाध्यक्ष और किसानों से मिले और चीनी मिल कप्तानगंज द्वारा एक पत्रक यूनियन के जिलाध्यक्ष को सौपते हुये बताया गया कि कप्तानगंज चीनी मिल का भुगतान पेराई सत्र 2021-22 शुरू होते ही एक सप्ताह के बाद किसानों के गन्ने का भुगतान 2020-21 का बकाया शुरू कर दिया जाएगा। इस विषय में यूनियन के जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने किसानों के सहमति पर गन्ने का भुगतान का जो माँग है उसे अपने

माँग पत्र से हटा लिया और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से सम्बन्धित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी प्रतिनिधि शिवमुरारी लाल श्रीवास्तव को सौपते हुए अवगत कराया है कि जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मील को चलवाने के लिये भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर द्वारा लगातार माँग किया जा रहा है। आपका लगातार ब्यान आ रहा है कि हम जनपद कुशीनगर में एक चीनी मिल देंगे। किसान लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये 2017 से लगातार माँग कर रहे है तो आप इस मिल को चलवाने की घोषणा करके तत्काल इसमें कार्य शुरू करा दें तो सभी गतिरोध पर पूर्ण विराम लग जायेगा। लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल चल जाने से इस क्षेत्र के किसान खुशहाल तो हो ही जायेगें साथ साथ बेरोजगार नौजवानों को रोजगार सृजन हो जायेगा जिसके लिये भारतीय जनता पार्टी दृढ संकल्प है, लक्ष्मीगंज ब्यापारियों का व्यवसाय भी चल जायेगा। आगे ज्ञापन के माध्यम से यूनियन के जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने मुख्यमंत्री से माँग किये है कि लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने की घोषणा तत्काल करके मिल में कार्य कराना शुरू कराया जाय अन्यथा हमारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किसान हित में ऐसे ही चलता रहेगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रसाशन की होगी। इस मौके पर जिला सचिव चेतई प्रसाद,कृष्ण गोपाल चौधरी, सरल मियां, कोदई प्रसाद, हरी यादव, सुरेश, रामाशीष कुशवाहा, सकीम, नियामत, बाबूनन्दन, आशिक अली, रामनरेश, रामाशीष प्रसाद, मैना देवी, श्रीकान्त, अतवारी देवी, मिश्री यादव के साथ साथ सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

पिता के पद चिन्हों पर चल रहे सुबोध चंद्र यादव सभी के सुख दुख में हो रहे शामिल

प्रखर संतकबीरनगर। लोकसभा क्षेत्र सन्तकबीरनगर के गरीबों के मसीहा रहे पूर्व सांसद स्वर्गीय भालचंद यादव के पुत्र युवा नेता सुबोध चंद्र यादव इन दिनों अपने पिता के पद चिन्हों पर चलकर सभी के सभी के सुख दुख में शरीफ होते हुए दिख रहे हैं आपको बता दें कि संत कबीर नगर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद रहे स्वर्गीय भालचंद यादव भी जनता के लिए 24 घंटे समर्पित रहते थे इसी का देन है कि आज वह भले ही इस दुनिया में नहीं है लेकिन क्षेत्र की जनता के दिलों में आज भी वह राज कर रहे हैं ठीक उन्हीं के पद चिन्हों पर उनके छोटे पुत्र युवा नेता सुबोध चंद यादव की क्षेत्र की जनता के बीच 24 घंटे समर्पित होकर के सभी के सुख दुख में पहुंचकर हौसला अफजाई करते देखे जा रहे हैं सुबोध चंद्र यादव ने कहा कि यह सीख मेरे पिता जी स्वर्गीय भालचंद यादव ने मुझे समर्पित कर कर गया है उन्होंने कहा कि आजीवन पिताजी के सपने को साकार करता रहूंगा श्री यादव ने कहा कि अगर खलीलाबाद की जनता ने अपना आशीर्वाद दिया तो निश्चित रूप से खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र का चौमुखी विकास होगा।

समाज में असुरक्षित बेटियां और न्याय प्रणाली में लचीलापन

प्रखर वाराणसी। छोटी बच्चियों के साथ निरंतर हो रही आपराधिक घटनाएं हमारे समाज के माथे पर कलंक हैं। यह दुनिया बेटियों के लिए लगातार असुरक्षित होती जा रही है और हमारे हाथ बंधे हुए से लगते हैं। कोई समाज अगर अपनी संततियों की सुरक्षा भी नहीं कर सकता, उनके बचपन को सुरक्षित और संरक्षित नहीं रख सकता तो यह मान लेना चाहिए की आज भी हम बहुत पीछे है। ऐसे समाज का या तो दार्शनिक आधार दरक चुका है या वह सिर्फ एक पाखंडपूर्ण समाज बनकर रह गया है जो बातें तो बड़ी-बड़ी करता है, किंतु उसका आचरण बहुत घटिया है। स्त्रियों की तरफ देखने का हमारा नजरिया, उनके साथ बरताव करने का रवैया बताता है कि हालात अच्छे नहीं हैं। किंतु चिंता तब और बढ़ जाती है, जब निशाने पर मासूम हों। जिन्होंने अभी-अभी होश संभाला है, दुनिया को देख रहे हैं। परख रहे हैं। समझ रहे हैं। उनके अपने परिचितों, दोस्तों, परिजनों के हाथों किए जा रहे ये हादसे बता रहे हैं कि हम कितने सड़े हुए समाज में रह रहे हैं। हमारी सारी चमकीली प्रगति के मोल क्या हैं, अगर हम अपने बच्चों के खेल के मैदानों में, पास-पड़ोस में जाने से भी सहमने लगें। किंतु ऐसा हो रहा है और हम सहमे हुए हैं। बेटियां जिनकी मौजूदगी से यह दुनिया इतनी सुंदर है, वहशी दरिंदों के निशाने पर हैं कानूनों से क्या होगाः बच्चों और स्त्रियों की सुरक्षा को लेकर कानूनों की कमी नहीं है। किंतु उन्हें लागू करने, एक न्यायपूर्ण समाज बनाने की प्रक्रिया में हम विफल जरूर हुए हैं। इन घटनाओं के चलते पुलिस, सरकार और समाज सबका विवेक तथा संवेदनशीलता कसौटी पर है। निर्भया कांड के बाद समाज की आई जागरूकता और सरकार पर बने दबावों का भी हम सही दोहन नहीं कर सके। कम समय में न्याय, संवेदनशील पुलिसिंग और समाज में व्यापक जागरूकता के बिना इन सवालों से जूझा नहीं जा सकता। हमारी ह्यपरिवारह्ल नाम की संस्था जो पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों की स्थापना का मूल स्थान था, पूरी तरह दरक चुकी है। पैसा इस वक्त की सबसे बड़ी ताकत है और जायज-नाजायज पैसे का अंतर खत्म हो चुका है। माता-पिता की व्यस्तताएं, उनकी परिवार चलाने और संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में सबसे उपेक्षित तो बच्चा ही हो रहा है। सोशल मीडिया ने इस संवादहीनता के नरक को और चौड़ा किया है। संयुक्त परिवारों की टूटन तो एक सवाल है ही। ऐसे कठिन समय में हमारे बच्चे क्या करें और कहां जाएं ? अवसरों से भरी पूरी दुनिया में जब वे पैदा हुए हैं, तो उनका सुरक्षित रहना एक दूसरी चुनौती बन गया है। भारतीय परिवार व्यवस्था पूरी दुनिया में विस्मय और उदाहरण का विषय रही है, किंतु इसके बिखराव और एकल परिवारों ने बच्चों को बेहद अकेला छोड़ दिया है।कैसे बचेंगी बेटियाः सवाल ये है कि कैसी सुरक्षित होंगी बेटियां ! बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा जब हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिया होगा, तब शायद वे कोख में मारी जानी वाली बेटियों की चिंता कर रहे थे। हमारे समय के एक बड़े संकट भ्रूण हत्या पर उनका संकेत था। लेकिन अब इस नारे के अर्थ बदलने से लगे हैं। लगता है कि अब दुनिया में आ चुकी बेटियों को बचाने के लिए हमें नए नारे देने होगें। एक बेहतर दुनिया किसी भी सभ्य समाज का सपना है। हमारी संस्कृति और परंपरा ने हमें स्त्री के पूजन का पाठ सिखाया है। हम कहते रहे हैं- ह्ययत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवताह्ल (जहां नारियों की पूजा होता है, वहां देवता वास करते हैं)। हमारी बुद्धि, शक्ति और धन की अधिष्ठात्री भी सरस्वती, दुर्गा-काली और लक्ष्मी जैसी देवियां हैं। बावजूद इसके उन्हें पूजने वाली धरती पर बालिकाओं का जीवन इतना कठिन क्यों हो गया है ? यह सवाल हमारे समाने है, हम सबके सामने, पूरे समाज के सामने। हादसे की शिकार बेटियों की चीख हमने आज नहीं सुनी तो मानवता के सामने हम सब अपराधी होंगे, यकीन मानिए।त्वरित न्याय की दरिंदों के मन में कर सकती हैं खौफ पैदाः न्याय प्रक्रिया में देरी भी बढ़ते अपराध का कारण है। ऐसे संगीन मामलों में फार्स्ट ट्रैक कोर्ट के द्वारा त्वरित न्याय होना चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं के प्रति खौफ और सबक मिल सकें। यूपी में हर थानों पर महिला डेस्क बनाया गया है ताकि महिलाओं के समस्या का त्वरित निस्तारण हो, परन्तु हकीकत यह हैं यह महिला डेस्क भी असंवेदनशील हैं। कई मामले ऐसे देखे जाते जहां महिला डेस्क पर सुनवाई नहीं होती, न प्राथमिकी दर्ज होती हैं और महिलाएं न्याय के लिए भटकती हैं। केवल महिला डेस्क बनाने से नहीं बल्कि पुलिसिया प्रणाली में भी सुधार की जरूरत है। पैसों और पहुंच वाले समाज में नैतिकता को बढ़ावा देने की जरूरत हैं।

बृजमनगंज सीएचसी पर संविदा स्वास्थ्यकर्मियों का अनिश्चित कालीन धरना

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज। बृजमनगंज ब्लॉक में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आज विभिन्न मांगों को लेकर समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा धरना प्रदर्शन करते हुए अपनी मांग को शासन तक पहुंचाने के लिए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे स्वास्थ्य संविदा कर्मियों द्वारा अपनी मांग को लेकर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी संतोष दुबे को ज्ञापन भी सौंपा। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश में लगभग एक लाख की संख्या में संविदा कर्मचारी चिकित्सक पैरामेडिकल मैनेजमेंट व अन्य के लगभग दो लाख की संख्या में आशा बहू कार्य कर रही है पिछले 2 वर्षों से कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी व कोविड टीका करण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में निरंतर अपनी सेवा प्रदान कर पूर्ण योगदान दे रहे हैं जिसके दौरान संविदा कर्मचारियों से प्रत्येक राजकीय अवकाश में साप्ताहिक अवकाश मे भी विभागीय कार्य लिया जा रहा है। स्वास्थ्य संविदा कर्मचारियों द्वारा उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले 7 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है जिसमें प्रथम मांग समस्त संविदा कर्मचारियों को समायोजन कर नियमित किया जाए दूसरा समान पद पर समान वेतन दिया जाए। तीसरा सातवां वेतन आयोग का लाभ जैसे महंगाई भत्ता व अन्य लाभ प्रदान किया जाए। चौथा रिक्त पदों पर गैर जनपद स्थानांतरण किया जाए। पांचवा आउट सोर्स प्रक्रिया को समाप्त किया जाए।

अभिभावको के समर्थन मे सपा ने महामहिम राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लगातार बढते हुए अपराध के खिलाफ एवं विगत दिनो लगातार घटित घिनौनी घटना के संदर्भ मे सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने राईफल क्लब मे जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा से मुलाकात कर सात सूत्रीय ज्ञापन उ प्र के राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौपा विगत दिनो लहरतारा मे निजी व प्रतिष्ठित स्कूल सनबीम में हुए दुष्कर्म के संदर्भ में समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने महामहिम राज्यपाल को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। महानगर अध्यक्ष ने जिलाधिकारी से कहा कि जितना दोषी (अभियुक्त) जिम्मेदार है उसी के समकक्ष विघालय प्रबंधक भी जिम्मेदार है। अभिभावक स्कूल मे बच्चो को भेजते है तो सफाईकर्मी के अधीन नही बल्कि स्कूल प्रबंधक के अधीन भेजते है सुरक्षा की

जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधक की होती है। सनबीम स्कूल के प्रबंधक के खिलाफ अभिभावक आक्रोशित है आमजन मे स्कूल प्रबंधक पर कार्यवाही न होना रोष है। श्री शर्मा ने कहा कि सत्ता संरक्षित लोगो का समावेश होने के कारण पुलिस अभी तक स्कूल प्रबंधक के खिलाफ कोई कार्रवाई नही की गई, श्री शर्मा ने जिलाधिकारी से कहा कि बच्चे स्कूल के अंदर है तो जिम्मेदार स्कूल प्रबंधक की होती है परन्तु अभी तक स्कूल प्रबंधन या स्कूल प्रबंधक के खिलाफ कोई कार्यवाही नही हुई बल्कि वहाँ पुलिस फोर्स लगाकर स्कूल परिसर मे अभिभावको को भयभीत किया जा रहा है जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने सपा महानगर अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि आज ही उच्च स्तरीय कमेटी की बैठक कर बच्चो की सुरक्षा के संदर्भ मे निर्णय के साथ घटना की पुनरावृति न हो सभी विन्दु पर विचार विमर्श किया जाएगा।

जय श्री नर्सरी में एसपी ग्रामीण ने लगाया विश्व का सबसे महंगा आम

प्रखर वाराणसी । वाराणसी ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा ने जय श्री नर्सरी बाग बबियांव चोलापुर में जापानी आम मियांजाकी का किया वृक्षारोपण। बता दें कि मियांजाकी आम की

नर्सरी जापानी प्रजाति की है और ये विश्व का सबसे महंगा आम है। वाराणसी ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा चोलापुर के बबियाव स्थित जय श्री नर्सरी बाग पहुंचे और बाग में लगे विभिन्न प्रकार के पौधों का अवलोकन किया। साथ ही वृक्षारोपण भी किया। बता दें कि चोलापुर के बबियाव में शैलेंद्र रघुवंशी बृहद पैमाने में अमरूद की खेती व नर्सरी लगाते हैं और इसका कार्य करते हैं। आसपास के दर्जनों किसान इनसे नर्सरी के बारे में जानकारी लेने भी आते हैं और अपने यहां अमरूद की नर्सरी लगाकर मुनाफा कमाते हैं। बता दें कि शैलेंद्र रघुवंशी प्रदेश के बाहर भी कई प्रदेशों में अपनी नर्सरी भेज चुके हैं।

वाराणसी के सक्रिय सदस्यों ने फल वितरण कर पार्टी का मनाया स्थापना दिवस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के तीसरे स्थापना दिवस के अवसर पर दुगार्कुंड स्थित राजकीय वृद्ध आश्रम में जाकर फल वितरण का कार्यक्रम किया, एवं सभी को सदस्यता दिलवाया गया, मुख्य कार्यक्रम संयोजक शुभांशु सिंह बाहुबली एवं सुनील सिंह रामनगर ने कार्यक्रम में शिरकत किए और उपस्थित कार्यकताओं से कहा कि जल्द ही बनारस में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया का आगमन होने वाला हैं, यह पार्टी आपकी और अपनी हैं इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से आयुष चौबे रजत (सक्रिय सदस्य) दिग्विजय सिंह, राजीव सिंह, विकास सिंह, नवीन चंदेल, वेद प्रकाश सिंह, एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने शुरू की भूख हड़ताल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी कचहरी में दी सेंट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा अवैध निर्माण और पांच दिन पहले बाइलॉज में संशोधन करके उपाध्यक्ष के दो पदों को समाप्त कर दिया गया था जिसके विरोध में पूर्व से घोषित कार्यक्रम के तहत बुधवार को सेंट्रल बार के पूर्व महामंत्री अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ता अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। बता दे कि दी सेंट्रल बार वाराणसी के गेट पर स्थित गांधी प्रतिमा के पास अपनी कई मांगो को लेकर अधिवक्ताओ ने दो दिवसीय धरना सोमवार से शुरू किया था। मांग नही माने जाने पर पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बुधवार सुबह 11 बजे से अधिवक्ताओ ने अनिश्चकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि जब तक उनकी मांगे नही मानी जाएगी तक उनका भूख हड़ताल चलता रहेगा। अधिवक्ताओ का आरोप है कि सेंट्रल बार के वर्तमान पदाधिकरियो ने अवैध तरीके से बार के गेट पर बनी सीढ़ी और दुकान को तोड़ दिया और रास्ते के ऊपर अवैध तरीके से निर्माण करा रहे है। इसके साथ ही 2022 के सेंट्रल बार के चुनाव के ठीक पहले उपाध्यक्ष 10

वर्ष से कम व उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के अलावा कई पदों को समाप्त कर दिया गया है। इन सभी कार्यो का अधिवक्ता विरोध कर रहे है। धरने का नेतृत्व कर रहे पूर्व महामंत्री अवधेश कुमार सिंह का कहना है कि प्रबंध समिति ने जो सीढ़ी और दुकान तोड़वाया है,उसे वापस बनवाया जाय और जो पद समाप्त किया गया उसे वापस लिया जाय। पूर्व महामंत्री के समर्थन में अन्य कई अधिवक्ता भी उनके साथ भूख हड़ताल के समर्थन में धरने पर बैठे है। धरने पर अंशुमान दुबे, संजय सिंह दाढ़ी,अशोक सिंह प्रिंस, विजय विकाश श्रीवास्तव, मुकेश कुमार विष्वकर्मा, दीपक कुमार मिश्रा,मान बहादुर सिंह , योगेश सिंह , अमरीश सिंह,पी एन सिंह गौतम सिंह, देवेंद्र परमार , कांता नाथ कुशवाहा,रामजी यादव नृपेंद्र सिंह समेत सैकड़ो अधिवक्ता शामिल रहे।

लोक गायिका मोहिनी मिश्रा सहित 21 विशिष्ट जनों को बनारस शिरोमणि अवार्ड से नवाजा

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद के 15 वे स्थापना दिवस पर लंका स्थित होटल किंग्स बनारस में विभिन्न क्षेत्रों योगदान देने वाले 21 विशिष्ट जनों को बनारस शिरोमणि अवार्ड से विशिष्ट जनों को अंगवस्त्रम , स्मृति चिन्ह, बुके , प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के टीबी व चेस्ट विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ चिकिसक प्रो एस. के. अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश त्रिपाठी, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ गंगा सहाय पांडये, एन्टी करप्शन कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी नूतन सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश मिश्रा व द टू मिरर के प्रधान संपादक काली शंकर उपाध्याय ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम व बुके दे कर सम्मानित किया। अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या की

शुरूआत भजन गायक चंद्रमोहन अस्थाना ने गणेश वंदना से की फिर संगीत कड़ी में युवा लोकप्रिय गायक सर्वेश लाल यादव के एक से बढ़कर एक गीतों ने उपस्थित लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उसके बाद आचार्य डॉ देवेंद्र पांडये की अगुवाई में वैदिक ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार किया। इस अवसर संस्था का परिचय प्रदेश सचिव डॉ दशरथ पवार ने दिया। इसके लेखिका प्रियंवदा मिश्रा द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया।

इस मुख्य अतिथि प्रो एस. के. अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता समाज का प्रमुख अंग हैं। पत्रकारों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बिना किसी दबाव के करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ गंगा सहाय पांडये ने कहा कि पत्रकार जगत समाज हित की लड़ाई लड़ रहा है हमे उनका हर सम्भव मदद करना चाहिए। इस अवसर जिन्हें बनारस शिरोमणि अवार्ड से सम्मानित किया गया उनमे लोकगीत गायिका मोहिनी मिश्रा (गायन) , सुशील कुमार मिश्रा (पत्रकारिता), अनिल रमन(संगीत), शशांक मिश्रा (बैंकिंग),डॉ आर.के. शर्मा (चिकिसा), डॉ आर के शर्मा, एम एम फाउंडेशन, डॉ सुधीर मिश्रा, सुरेंद्र यादव, मीना मिश्रा, डॉ नसीमा निशा, अंजलि अग्रवाल, प्रज्ञा श्रीवास्तव, डॉ चकाचौंध ज्ञानपुरी, सुमन शर्मा, दीपक अस्थाना, तनु सिंह, अंजनी मिश्र, रहे। कार्यक्रम के अंत मे धन्यवाद ज्ञापन संजय कुमार ने किया। इस अवसर पर रघुवीर सिंह, राजीव गौतम, अजीत पांडये बाबुल, राणा शेरू सिंह, आशीष मोदनवाल, प्रवीण श्रीवास्तव, महानंद शाही, धीरज उपाध्याय, शारदा मिश्रा, अभिषेक उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दीप जलाकर सपा ने मनाया हाथरस की बेटी स्मृति दिवस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को प्रदेशवासियों से हर महीने की 30 तारीख को हाथरस की बेटी स्मृति दिवस के रूप मनाने की अपील की है। जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दलित विरोधी चेहरा बेनकाब हो सके। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा था उत्तर प्रदेश वासियों, सपा व सहयोगी दलों से अपील है कि हर महीने की 30 तारीख को हाथरस की बेटी स्मृति दिवस मनाएं। उप्र की भाजपा सरकार ने पिछले साल 30 सितंबर को जिस अभद्र तरीके से दुष्कर्म पीड़िता के शव को जलाने का जो कुकृत्य किया था उसकी याद दिलाएं। जिससे भाजपा का दलित व महिला विरोधी चेहरा बेनकाब हो। उसी क्रम में मैदागिन चौराहे पर सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा की अगुवाई में हाथरस की बेटी स्मृति दिवस दीप जलाकर मनाया गया। सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने प्रदेश के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सरकार के बर्खास्तगी की मांग की। श्री शर्मा ने आरोप लगाया कि हाथरस पुलिस ने जिस तरह पीड़ित परिवार की गैर मौजूदगी और मर्जी के बगैर रेप पीड़िता का अंतिम संस्कार करा दिया उससे ऐसा लगता है कि पुलिस पूरे मामले को कमजोर कर रही है। हाथरस मामले में पुलिस ज्यादती की सारी सीमायें लांघ गयी। इस मामले में राज्यपाल को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए था। दिप जलाकर श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा,पूर्व प्रदेश सचिव राजू यादव,महिला सभा अध्यक्ष पूजा यादव, कार्यकारिणी सदस्य शुभम सेठ "गोलू" सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष विश्वनाथ पटेल,,शमीम अंसारी, राहूल देव चौरसिया,सूरज यादव, छात्रसंघ महामंत्री नितिन यादव, अर्जुन सिंह,सौरभ यादव,आकाश गुप्ता, शुभम तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय पथ विक्रेता संघ द्वारा पथ विक्रेताओं के उत्थान हेतु किया गया संगोष्ठी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय पथ विक्रेता संघ वाराणसी उत्तर प्रदेश द्वारा पथ विक्रेताओं के उत्थान हेतु एक संगोष्ठी का आयोजन पुराना पुल कार्यालय पर संपन्न हुआ संगोष्ठी के मुख्य अतिथि मनीष पांडेय प्रदेश उपाध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी ,विशिष्ट अतिथि शंकर यादव निरीक्षक श्रम विभाग, ब्रृजेश चौरसिया (महानगर मंत्री भाजपा), अमित जायसवाल (नामित पार्षद), राजन गुप्ता (काशी महानगर मंत्री विश्व हिंदू परिषद), कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता (कुल्लू) ने किया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने संस्था की कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था द्वारा पथ विक्रेताओं के हित में जो कार्य किया जा रहा है। वह अत्यंत प्रशंसनीय है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाना वह उनको अपने हित की योजनाओं के प्रति जागरूक करना ही संस्था का मुख्य उद्देश है। संगोष्ठी में भारत सरकार द्वारा जारी असंगठित मजदूर (पथ विक्रेताओ) के हित में जारी किए गए ईश्रम कार्ड जो संस्था द्वारा सैकड़ों पथ विक्रेताओ का शिविर लगाकर बनाए गए थे। उनका भी वितरण किया गया है व प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ ले चुके पथ विक्रेताओं को शासन द्वारा जारी सर्टिफिकेट्स का भी वितरण किया गया है। इसी क्रम में खाद विभाग द्वारा फूड लाइसेंस सर्टिफिकेट संस्था के उपाध्यक्ष रोशन अग्रहरि द्वारा निःशुल्क बनाकर वेन्डरो को वितरित किया गया। संस्था द्वारा अपने 20 बाजारों के अध्यक्षों की घोषणा की गई व उन्हें संस्था का प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।संगोष्ठी का संचालन संस्थापक संयोजक आशीष कुमार गुप्ता, व अध्यक्ष बाकें लाल ने किया। संगोष्ठी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रोशन अग्रहरि , लक्खू सोनकर ,गुड्डू चौहान , मंगल सिंह , सीमा पांडेय , भोला राजभर , भैया लाल राजभर , चंद्रमा राजभर, प्रदीप गुप्ता ,रमेश मौर्य, दिनेश अग्रवाल, देवेंद्र शाह, रामजी राजभर, अनिल राजभर, रमेश राजभर , प्रमोद राजभर, अमरनाथ राजभर,तेजा राजभर, सूरज सोनकर इत्यादि लोग उपस्थित थे।

एसडीएम के विरोध में उतरे वकील, की नारेबाजी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। तहसील बार एसोसिएशन पिंडरा के वकील बुधवार को एसडीएम पर वकीलों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की और दो दिनों तक न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया। बताते है कि तहसील बार के सदस्य व पूर्व बार अध्यक्ष पनधारी यादव ने तहसील के अधिकारी व कर्मचारी न्याय नही कर रहे कि शिकायत की। जिससे विपक्षी का मनोबल बढ़ने का आरोप लगाते हुए बार शिकायती पत्र दिया। इसी के साथ दूसरी शिकायत बार सदस्य हरिश्चंद्र प्रसाद पटेल ने कहाकि खरावन खास में नाली की पैमाइश के लिए आवदेन देने व आदेश के बाबजूद लेखपाल द्वारा पैमाइश नही किया जा रहा है। इन दोनों वकील के शिकायत पर कार्य बहिष्कार का प्रस्ताव रखा गया। जिसपर बार के सदस्यों ने एसडीएम पिंडरा को बार के द्वारा दो दिनों तक न्यायिक कार्य का बहिष्कार करने का प्रस्ताव भी दिया । एसडीएम द्वारा जांच कार्यवाही के बाद निर्णय लेने के लिए समय मांगा। जिसपर वकीलों ने कहाकि कई माह से परेशान है और आज निर्णय दे। जिसपर उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। जिससे नाराज वकील नारेबाजी करते हुए विरोध पर उतर आए और कहाकि यदि दो दिनों में न्याय नहीं मिला तो वकील सभी न्यायालयों के कार्यो का अनिश्चित कालीन तक बहिष्कार करेंगे।वही इस बाबत एसडीएम पिछड़ा राजीव कुमार राय ने बताया कि वकील नियम विरुद्ध कार्य कराना चाह रहे थे लेकिन नही किया तो विरोध पर उतर आए। वैसे लगातार किसी न किसी मुद्दे को लेकर न्यायिक कार्य से विरत रहने के लिए अध्यक्ष व महामंत्री को नोटिस भी भेज रहा हू। वही बुधवार को इस घटना क्रम के चलते तहसील में बार व बेंच के बीच तनाव की स्थिति दिखी। इसके पूर्व सुबह 11 बजे तहसील के सभी अधिवक्ता की एक आपात बैठक उक्त दोनों वकीलों के प्रस्ताव पर चर्चा हुई और न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया। इस दौरान बार अध्यक्ष जवाहर लाल वर्मा, महामंत्री कमलकांत राय, अशोक लाल, पनधारी यादव, हरिश्चंद्र पटेल, जयचंद , प्रितराज माथुर, श्रीप्रकाश मिश्रा,अंकित मिश्र, आनंद प्रताप राय, कृष्ण कुमार चौहान समेत अनेक वकील रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मऊ। जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल के निर्देशानुसार प्राचार्य सर्वेश पाण्डेय की अध्यक्षता में 75वीं आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत भाषण प्रतियोगिता एवं वाद विवाद का आयोजन डीसीएसके पीजी कालेज मऊ में किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चडकर प्रतिभाग किया। छात्र-छात्राओं के दिये गये विचार से यह संदेश प्राप्त हुआ कि हम सभी को अपने राष्ट्रीय आन्दोलन की विरासत महापुरूषों के बलिदान को नमन करते हुए इस बात के लिए निरन्तर प्रयास करना चाहिए कि हमारी आजादी अक्षुण्ण रहे। राष्ट्रीय आन्दोलन के वीरासतों, बलिदानियों के सपनो के अनुसार भारत का राष्ट्र निर्माण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। संविधान में निहित लक्ष्यों एवं आदर्शो को प्राप्त करने के लिए सहभागी प्रयास की जरूरत है। प्रतिभागियों ने इस बात पर भी बल दिया कि हमें अतीत की कमियों को दूर करके सबक लेते हुए भारत के चेतनायुक्त स्वरूप का निर्माण करें। कार्यक्रम का संचालन एसो0प्रो0 हरिलाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा0 बाबूलाल, डा0 सूर्यभूषण द्विवेदी, नाजिर मुख्य विकास अधिकारी धनेश चैहान अन्त में डा0 सिधारी सिंह द्वारा उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं